

खबर संक्षेप

उप मुख्यमंत्री साव करेंगे ध्वजारोहण

दुर्ग। जिले में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पूरी गरिमा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जिला मुख्यालय दुर्ग के मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। इसके बाद परेड का निरीक्षण कर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। कार्यक्रम में हर्ष फायर और मार्च पास्ट के बाद शालेय छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। मुख्य समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्य अतिथि पुरस्कार वितरण भी करेंगे।

स्वतंत्रता दौड़ 14 को

दुर्ग। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा 14 अगस्त को स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। यह स्वतंत्रता दौड़ प्रातः 7.30 बजे रविशंकर स्टेडियम, दुर्ग के मुख्य गेट से प्रारंभ होगी। दौड़ का मार्ग आदर्श कन्या शाला, गांधी चौक, पटेल चौक, पुराना दुर्ग थाना, इंदिरा मार्केट, फरिस्ता कॉम्प्लेक्स चौक, पचरीपारा नया बस स्टैंड रोड, बस स्टैंड और चर्च रोड से होते हुए पुनः रविशंकर स्टेडियम के मुख्य गेट पर पहुंचकर समाप्त होगा। कार्यालय सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार इस दौड़ में विद्यार्थ्य एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड, सैनिक, अध्यापक, खिलाड़ी, गणमान्य नागरिक, समस्त शासकीय, अशासकीय अधिकारी व कर्मचारी भाग लेने के लिए आमंत्रित है।

पीएन आवास योजना के लिए तैयार होंगे प्रशिक्षित राजमिस्त्री



दुर्ग। जनपद पंचायत धमधा की ग्राम पंचायत बिरभाट में 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। 27 जुलाई से 25 अगस्त तक चल रहे प्रशिक्षण में 33 महिलाएं और 2 पुरुष सहित कुल 35 प्रतिभागी शामिल हुए। प्रशिक्षण में नींव निर्माण, ईट चिनाई, दीवार, छत ढलाई, प्लास्टर, फ्लोरिंग एवं फिनिशिंग सहित भवन निर्माण की आधुनिक तकनीकों का सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर हीरा बाई साहू द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रतिभागियों को निःशुल्क ड्रेस, दूल किट एवं भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त राजमिस्त्रियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सहित अन्य निर्माण कार्यों में रोजगार के अवसर मिलेंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और गति बढ़ने के साथ महिलाओं एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।

अब एनजेसीएस फोरम में उठाएंगे सेल के मुद्दे

भिलाई। स्टील एम्प्लाइज यूनियन (ईटक) के महासचिव संजय कुमार साहू को ईटक की ओर से सेल के वेतन समझौते से संबंधित नेशनल ज्वाइंट कमटी फॉर स्टील (एनजेसीएस) का सदस्य बनाया

- ईटक महासचिव संजय साहू बने एनजेसीएस के सदस्य

गया है। उन्हें यह जिम्मेदारी ईटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जी संजीव रेड्डी व र महासचिव डॉ. संजय कुमार सिंह ने सौंपी है। श्री साहू लंबे समय से बीएसपी एवं सेल के कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, रोजगार, सुरक्षा तथा अन्य कर्मचारी एवं ठेका श्रमिकों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। उन्हें एनजेसीएस सदस्य बनाए जाने से सेल के कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों की मांगों और

तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, भारत माता के जयकारों से गुंजा शहर

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

दुर्ग विधानसभा के चंडी शीतला मंडल, गंजपारा सदर मंडल और मध्य मंडल के संयुक्त आयोजन में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव भी यात्रा में शामिल हुए। हाथों में तिरंगा और जुबां पर भारत माता के जयकारों के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, युवा और नागरिक यात्रा में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरे मार्ग पर राष्ट्रभक्ति का माहौल नजर आया। युवाओं ने विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ तिरंगे के प्रति सम्मान और देश के प्रति समर्पण व्यक्त किया। यात्रा ने देश की एकता,

अखंडता और राष्ट्रीय गौरव का संदेश दिया। कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली विरासत, बलिदान, एकता और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए असंख्य वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। आज हमारा दायित्व है कि उनके बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक नागरिक को तिरंगे की आन, बान और शान को सर्वोच्च रखते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता को मजबूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

वर्तमान भर्ती व पदोन्नति नियमों में इसकी अनिवार्यता नहीं

टेट अनिवार्य, नहीं तो रुकेगी शिक्षकों की पदोन्नति, शासन की तैयारी से आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

दुर्ग सहित पूरे प्रदेशभर में शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) को अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसे में हजारों शिक्षकों की पदोन्नति रुकने के कगार पर पहुंच गई है। वर्तमान भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में पदोन्नति के लिए टेट की कोई अनिवार्यता नहीं है। शासन की इस तैयारी से दोहरे मापदंड हो जाएंगे। इससे शिक्षकों में भारी आक्रोश है। शिक्षक संगठनों ने इसके विरोध में आ गए हैं। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने टेट की अनिवार्यता के चलते शिक्षकों की पदोन्नति ही अभी रोक दिया है।

न्यायालय की शरण में जाने की चेतावनी

टीचर्स एसोसिएशन ने यह भी कहा कि शिक्षकों को टेट उत्तीर्ण करने के लिए वर्ष 2028 तक का समय दिया गया है। ऐसे में 2028 से पहले होने वाली पदोन्नति प्रक्रियाओं में टेट की अनिवार्यता लागू करना वरिष्ठ शिक्षकों के अधिकारों का हनन होगा। संगठन का दावा है कि यदि ऐसा किया गया तो बड़ी संख्या में न्यायालयीन प्रकरण सामने आ सकते हैं और विभाग को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। वर्तमान सेवा वरिष्ठता सूची के आधार पर लंबित पदोन्नतियां तत्काल की जाएं। साथ ही जिन शिक्षकों ने अभी तक टेट उत्तीर्ण नहीं किया है, उन्हें निर्धारित समय सीमा तक परीक्षा उत्तीर्ण करने का अवसर दिया जाए। संगठन का कहना है कि पदोन्नति और टेट को अलग-अलग विषय के रूप में देखा जाना चाहिए ताकि शिक्षकों के कैरियर विकास में अनावश्यक बाधा न आए।

स्कूलों के पास तंबाकू बेचने वालों पर कार्रवाई, 15 दुकानदारों पर जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

स्कूल परिसरों के आसपास तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ खाद्य व औषधि प्रशासन विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश

- 2,150 रुपए का वसूला गया अर्थदंड

पर बोरी थाना क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान 15 दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई की गई। इनसे कुल 2,150 रुपए का अर्थदंड वसूला गया। संयुक्त टीम ने विद्यालयों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध से जुड़े प्रावधानों की जांच की। कार्रवाई के दौरान शासकीय हिंदी माध्यम पीएम श्री स्कूल बोरी, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पथरिया और शासकीय हाई स्कूल अंजोरा ढाबा, तहसील धमधा के आसपास दुकानों का निरीक्षण



बच्चों को तंबाकू से दूर रखने पर जोर

कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों को समझाया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू उत्पाद बेचना कानूनन प्रतिबंधित है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन पर लगे प्रतिबंध की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य नुकसान के बारे में दुकानदारों और आसपास मौजूद लोगों को जागरूक किया। टीम ने दुकानदारों से नियमों का पालन करने और तंबाकू-मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की। अभियान में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की ओर से सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झुड़कार और औषधि निरीक्षक जागेश्वरी साहू शामिल रहे। पुलिस विभाग से आरक्षक मोहम्मद समीम, जितेंद्र धीवर और प्रशांत साहू ने कार्रवाई में सहयोग किया।

किया गया। जांच के दौरान स्कूलों के आसपास तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कोटपा अधिनियम 2003 की धारा

4 और 6 के तहत कार्रवाई की गई। टीम ने मौके पर ही 15 दुकानदारों के चालान काटे और अर्थदंड वसूल।

कार्यकारिणी सदस्यों, प्रतिनिधियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों ने संजय कुमार साहू को एनजेसीएस का सदस्य बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए ईटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जी संजीवा रेड्डी एवं राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर संजय कुमार सिंह को आभार व्यक्त किये और इसे भिलाई एवं सेल के कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। ईटक ऑफिस में यूनियन पदाधिकारियों द्वारा महासचिव श्री साहू का सम्मान किया गया । इसमें ईटक यूनियन से एस के बघेल, पीयूषकर चंद्रशेखर सिंह , विपिन बिहारी मिश्रा, शेखर शर्मा ,मदनलाल सिन्हा, पीबी राव, रमेश तिवारी , मनोहर, राजेंद्र रजक, प्रकाश सिवोनकर, पूरन वर्मा, सचिदानंद पांडे ,सीपी वर्मा , रेशम राठौर , रमन मूर्ति ,एस बी सिंह, गुरुदेव साहू आदि उपस्थित थे।

तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक : गजेन्द्र



शिक्षकों की पदोन्नति रोकना नियमों के विपरीत

छत्तीसगढ़ टीचर एसोसिएशन ने शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट)की अनिवार्यता की की कवायद पर कड़ा विरोध जताया है। संगठन का कहना है कि एसोसिएशन ने वरिष्ठता के आधार पर तत्काल पदोन्नति आदेश जारी करने और विभागीय स्तर पर शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा और जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न साहू का कहना है कि हाल ही में शिक्षा विभाग की विशेष बैठक के बाद प्रदेश के हजारों सहस्रक शिक्षकों और माध्यमिक शाला के शिक्षकों में चिंता का माहौल है। लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों को उम्मीद थी कि विभाग उनका लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को पूरा करने के लिए ठोस निर्णय लेगा, लेकिन इसके बजाय टेट को लेकर नई शर्तें जोड़ने की चर्चा शुरू हो गई है।

वर्तमान भर्ती व पदोन्नति नियम में यह नियम नहीं संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में प्रभावी शिक्षक भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में पदोन्नति के लिए टेट उत्तीर्ण होना अनिवार्य नहीं है। ऐसे में विभागीय बैठकों या प्रशासनिक निर्देशों के माध्यम से नई बाध्यता लागू करना नियमों की भावना के विपरीत है। उनका कहना है कि यदि भर्ती नियमों में इसका स्पष्ट प्रावधान नहीं है तो पदोन्नति प्रक्रिया में टेट को आधार बनाना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता।

मिश्रा रेलवे सलाहकार समिति के बने सदस्य

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

संजय मिश्रा को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मंडल द्वारा रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। संजय मिश्रा

रसमड़ा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित श्री प्लस पेंट्स के निर्माता निर्देशक हैं। वे लघु उद्योग भारती व दुर्ग इंडस्ट्रियल उद्योग एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं को उद्यमी एवं आत्मनिर्भर बनाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विगत दिनों संजय मिश्रा जी को समाज सेवा के क्षेत्र में सेवा रत्न सम्मान से भी विभूषित किया गया है। यह सम्मान प्रतिवर्ष समाज के ऐसे व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने नेतृत्व समाज में औद्योगिक विकास रोजगार सृजन एवं आत्म निर्भरता के क्षेत्र में तथा मंदिर मठ के समुचित संरक्षण व धर्म जागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

बाल संरक्षण एवं महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों का करें त्वरित निराकरण

मेन्यू के अनुसार भोजन एवं नाश्ता उपलब्ध कराने के निर्देश



अधीक्षकों को शासन द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन एवं नाश्ता उपलब्ध कराने तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रत्येक शनिवार को विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी निदेश दिए।

140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है तिरंगा : ललित



बांधने का काम तिरंगा करता है। कार्यक्रम में शीतला राजपूत, चंदू देवांगन, प्रवीण यदु, रमेशीला साहू,प्रीतपाल बेलवंदन, सरस्वती नरेंद्र साहू,शैलेन्द्र शेडे, करण सेन,राकेश देवांगन, शुभम शर्मा, योगेश साहू, भूपेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नगरीय निकायों, पंचायतों व शैक्षणिक संस्थाओं में 17 तक होंगे विविध कार्यक्रम

भिलाई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस बार भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर जिले के सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में 17 अगस्त तक राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष आयोजन, हर घर तिरंगा अभियान तथा 14 अगस्त को ‘विभाजन विभौषिका स्मृति दिवस’ प्रमुख रूप से शामिल हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नपं. को इन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

शासन के निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 15 अगस्त तक विभिन्न सांस्कृतिक और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर वंदे मातरम गायन, देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को राष्ट्रीय गीत के इतिहास और महत्व से परिचित कराना तथा नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना है।इसी क्रम में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों, दुकानों और प्रतिष्ठानों में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा, प्रभात फेरी, तिरंगा रैली और ‘सेल्फी विद तिरंगा’ जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रशासन का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक लोग अभियान से जुड़ें और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचे।

सड़क हादसों की वैज्ञानिक जांच में फॉरेंसिक साइंस की भूमिका पर कार्यशाला आयोजित



जैविक नमूने और अन्य टेस एविडेंस शामिल रहे। इन साक्ष्यों की सुरक्षित पैकेजिंग, लेबलिंग, सीलिंग और संबंधित एजेंसी को विधिवत भेजने की प्रक्रिया का भी अन्व्यास कराया गया। कार्यशाला में बताया गया कि फॉरेंसिक साइंस केवल अपराधों की जांच तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी, दस्तावेज जालसाजी, नशीले पदार्थों से जुड़े अपराध, लैंगिक अपराध और सड़क दुर्घटनाओं जैसे मामलों में वैज्ञानिक साक्ष्य जांच को नई दिशा दे सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र कुमार स्वर्णकार ने कहा कि फॉरेंसिक

बाल संरक्षण एवं महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों का करें त्वरित निराकरण

बोर्ड में विधि के विरुद्ध संघर्षरत बालकों के प्रकरणों की सुनवाई एवं नियमानुसार त्वरित निराकरण के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, जिला कार्यक्रम अधिकारी आरके जाम्बुलकर, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय साहू, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के परियोजना समन्वयक, बालक कल्याण समिति दुर्ग के अध्यक्ष एवं सदस्य, शासकीय एवं अशासकीय बाल देखरेख संस्थाओं के अधीक्षक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

संस्थाओं में आंतरिक शिकायत समिति गठित करने के निर्देश

कलेक्टर श्री सिंह ने महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत अशासकीय संस्थाओं में आंतरिक शिकायत समिति गठित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी वन उत्पीड़ सेटर में दर्ज प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा पीड़ित महिलाओं को तत्काल आश्रय एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप



दी कृमिनाशक दवा

अंडा। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अंतर्गत दुर्ग विकासखंड गौरव ग्राम अंडा में 10 अगस्त से 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमि संक्रमण से बचाव के लिए एल्बेंडाजोल की कृमिनाशक गोली नि:शुल्क खिलाई गई। अभियान का उद्देश्य बच्चों को कृमि संक्रमण से सुरक्षित रखते हुए उनके स्वास्थ्य, पोषण एवं शारीरिक-मानसिक विकास को बेहतर बनाना है।

खप्परवाड़ा में मना हरेली पर्व, की हल की पूजा



अंडा। श्री हरि पब्लिक स्कूल खप्परवाड़ा में हरेली पर्व का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। बालवाटिका से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने इसमें सहभागिता की और हरेली के सांस्कृतिक, कृषि एवं पर्यावरणीय महत्व को जाना। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संयोगिता सक्सेना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि "ऐसे उत्सव समुदायों को करीब लाते हैं और हमें प्रकृति से जोड़ते हैं। कार्यक्रम में हेड गर्ल मयूरी साहू, हेड बॉय ख्वाहिश चतुर्वेदी, कल्चरल हेड बॉय डेनियल बंजारे एवं कल्चरल हेड गर्ल खुशबू कुंभकार ने विद्यार्थियों एवं नन्हे सितारों का मार्गदर्शन किया।

निधन

भोला राम चन्द्राकर

अंडा। ग्राम विनायकपुर निवासी भोला राम चन्द्राकर (75) का निधन 10 अगस्त को हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम विनायकपुर में किया गया। वे प्रहलाद चन्द्राकर और जितेंद्र चन्द्राकर के पिता थे।

योगेंद्र नाथ मणि त्रिपाठी

भिलाई। शांतिनगर निवासी

आचार्य योगेंद्र नाथ मणि त्रिपाठी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे विनोद मणि त्रिपाठी के पिता थे।

आशा तिवारी

भिलाई। सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-8 की पूर्व उप प्राचार्या

आशा तिवारी पति स्व. उमेश तिवारी का निधन हो गया। उनकी अंतिम 13 अगस्त को सुबह 10.30 बजे उनके

निवास स्ट्रीट-2, सेक्टर-2 से रामनगर मुक्तिधाम के लिए निकाली जाएगी। वे आशीष तिवारी, नमिता तिवारी और स्मिता तिवारी की माँ थीं।

एक साल बाद भी नहीं मिली सहायता राशि, हादसे में जान गंवाने वाले तीन युवकों के परिजनों की कलेक्टर से गुहार

हरिभूमि न्यूज़ ►► अंडा

दुर्ग जिले के ग्राम विनायकपुर के तीन युवकों की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उनके परिजनों को अब तक शासन की ओर से आर्थिक सहायता राशि नहीं मिल सकी है। पीड़ित परिवारों ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर मामले में हस्तक्षेप करते हुए शीघ्र सहायता राशि दिलाने की मांग की है। आवेदन के अनुसार, 09 जुलाई 2024 को ग्राम विनायकपुर निवासी नमन सेन (पिता- युवराज सेन), देवा निषाद (पिता- हंसराम निषाद) और खिलेंद्र पटेल (पिता- रोशन लाल पटेल) मोटरसाइकिल से सियादेवी मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। रानी माँ मंदिर से लगभग एक किलोमीटर पहले चारामा मार्ग पर उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें तीनों युवकों को मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि जिस सड़क पर हादसा हुआ वह लोक निर्माण विभाग के अधीन है। सड़क



निर्माण के बाद किनारों पर पर्याप्त मरुम नहीं डाली गई थी। बारिश के कारण सड़क फिसलन भरी हो गई थी और जगह-जगह गड्ढे भी बन गए थे। इसी कारण बाइक

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। मुत्रकों के परिवार मजदूर वर्ग से हैं और उनकी आजीविका पूरी तरह मजदूरी पर निर्भर है। परिवारों का कहना है कि हादसे के बाद उन्होंने थाना प्रशासन और शासन के सम्पर्क आर्थिक सहायता के लिए आवेदन दिया था, लेकिन 04 अगस्त 2026 तक भी किसी प्रकार की सहायता राशि प्राप्त नहीं हुई है। इससे परिवार आर्थिक तंगी और मानसिक पीड़ा का सामना कर रहे हैं। पीड़ित परिवारों ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कार्रवाई कर शासन से व्बिकृत आर्थिक सहायता राशि जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को कुछ राहत मिल सके। साथ ही उन्होंने प्रशासन से सड़क सुरक्षा संबंधी आवश्यक सुधार कार्य कराने की भी अपेक्षा जताई है।

मिनीमाता की पुण्यस्मृति में समाजसेवा में उत्कृष्ट महिलाओं का सम्मान

हरिभूमि न्यूज़ ►► गिलाई

ग्राम थनौद में छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद और समाजसेविका मिनीमाता की पुण्यस्मृति में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा तथा दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा मिनीमाता की प्रतिमा पर पूजा-अर्चना एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने मिनीमाता के विचारों और समाज के लिए किए गए कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह



थनौद में मिनीमाता को पुष्पांजलि अर्पित कर नारी शक्ति और सामाजिक समरसता का दिया संदेश

में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने कहा कि मिनीमाता केवल सतनामी समाज की ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की प्रेरणा हैं। उन्होंने अपने जीवन से सेवा और समर्पण के माध्यम से सामाजिक बदलाव का संदेश दिया। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा और आत्मसम्मान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि मिनीमाता के बताए मार्ग पर चलकर समाज में समानता और भाईचारे को मजबूत किया जाए। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मिनीमाता का पूरा जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पहुंचाने के लिए समर्पित रहा। वे

छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद थीं और उन्होंने संसद में दलित, शोषित तथा महिलाओं की आवाज को मजबूती से उठाया। उन्होंने कहा कि बाबा गुरु घासीदास के एक मानव, एक जाति, एक धर्म के संदेश को मिनीमाता ने जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने समाज की माताओं और बहनों की शिक्षा को सामाजिक विकास की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। कार्यक्रम में सरपंच मेनका देशमुख, जिला पंचायत सभापति प्रिया साहू, जितेंद्र यादव, संगीता साहू, पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले, सतनामी आश्रम कल्याण समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर बंजारे, कविता वासिनी, दिनेश देशमुख, उपसरपंच मनीष धृतलहरे आदि उपस्थित थे।

अंचल की खबरें

नवनियुक्त डीईओ से मिले फेडरेशन के पदाधिकारी



दुर्ग। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन, जिला इकाई दुर्ग के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग जगजीत धीर से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर फेडरेशन के पदाधिकारियों ने जिले की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने, शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण तथा शिक्षक हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष पाटन चेतन सिंह परिहार, ब्लॉक अध्यक्ष दुर्ग सतीष चंद्राकर, ब्लॉक अध्यक्ष धमधा उत्तम ठाकुर, राहुल सोनटेके, अनुराग श्रीवास्तव उपस्थित थे।

नशा सर्वनाश का कारण : विद्या



जामगांव आर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी जामगांव आर द्वारा 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तात्पर्य में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव आर के प्रार्थना हॉल में नशा मुक्ति पर प्रभावी व्याख्यान हुआ। इस दौरान ब्रम्हाकुमारी बहन विद्या ने कहा कि नशा सर्वनाश का कारण बनता है नशा घर परिवार पर समाज और संतान के भविष्य को बर्बाद करती है। विद्या का प्राचार्य पीएल बारले ने किया अभिनंदन किया। वहीं नशा नहीं करने की बच्चों ने शपथ ली। इस दौरान उप प्राचार्य लिकेश्वर साहू, पवन बंडोरा, मानसी यादव धनेश्वरी साहू, शशि यादव, नम्रता पटेल, योगिता साहू, प्रीति कविश, निखलेश, ज्योति साहू, कविता साव, प्रीति साहू, प्रियंका साहू और हृषेश्वर साहू सहित विद्यार्थियों ने व्याख्यान का लाभ लिया।

स्वच्छता पखवाड़ा में विजेता पुरस्कृत

जामगांव आर। मेरा युवा भारत खेल एवं युवा मंत्रालय भारत सरकार की दिशा निर्देशानुसार स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत वंश कंप्यूटर जामगांव आर में निबंध प्रतियोगिता चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निबंध प्रतियोगिता में प्रथम सेवती, द्वितीय गीतांजलि साहू, तृतीय मानसी देवांगन, चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम तीर्थ कुमार, द्वितीय हेमा, तृतीय काजल, रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम फलेश्वरी, द्वितीय तुलेश्वरी और तृतीय खुशबू साहू ने प्राप्त किया। सभी विजेता प्रतिभागी को कंप्यूटर सेंटर के डायरेक्टर सुरेंद्र सिन्हा, कृतिका कुलदीप, मास्टर ट्रेनर ढाल सिंह साहू और चंद्रशेखर महलवार ने प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान के सम्मानित किया। ढाल सिंह साहू ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा 1 से 15 अगस्त चलेगा।

हर हाथ में नजर आया तिरंगा, गुंजे देशभक्ति के नारे



नगरपालिका परिषद कुम्हारी ने निकाली तिरंगा यात्रा

कुम्हारी। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद, कुम्हारी के तत्वावधान में एक विशाल और भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया गया। इस गौरवशाली यात्रा में कुम्हारी नगर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना वर्मा ने वंदे मातरम का गायन शुरू किया, जिसमें सभी जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वर



मिलाया। इसके बाद उपस्थित जन-समूह को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और राष्ट्र के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा थामे हुए जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रीय और राष्ट्रीय एकता का अद्भुत संदेश दिया। इस भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा और मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेताराम चंद्राकर ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

भाजपा मंडल ने गांवों में निकाली तिरंगा यात्रा



जामगांव आर। भारतीय जनता पार्टी जामगांव आर मंडल ने तिरंगा यात्रा निकाली। बटरेल से प्रारंभ यात्रा विभिन्न गांवों से गुजरते हुए जामगांव आर किसान चौक में पहुंची। देशभक्ति के नारों के साथ तिरंगा लहरते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रभक्ति एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में दुर्ग लोकअम्मा सांसद विजय बघेल की धर्मपत्नी रजनी बघेल पूर्व विधायक डॉ. दया राम साहू, जिला पंचायत सभापति कल्याण नारद साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष लालेश्वर साहू, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, जनपद सभापति रवि सिन्हा, खेमलाल देशलहरे, जनपद सदस्य रामकुमार चंद्राकर, प्रमारी राजू निषाद सहित भाजपाई शामिल हुए। तिरंगा रैली उमरपोटी में शहीद डोमेश्वर साहू स्मारक में शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शहीद के परिजनों का सम्मान किया, बेल्हारी के जय जवान, जय किसान चौक पर विद्यार्थियों, शिक्षकों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं गांवियों ने तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

बकाया कर जमा नहीं करने वालों की जलापूर्ति रोकी

कुम्हारी। लंबे समय से करों का भुगतान नहीं करने वाले बकायादारों पर कड़ा रुख अपनाते हुए वार्ड क्रमांक 01 में 5 बकायादारों पर नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई की गई। वहीं नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नगर के विकास एवं सुचारु नागरिक सुविधाओं (जैसे पेयजल सप्लाई, सफाई एवं स्ट्रीट लाइट) को बनाए रखने के लिए करों का समय पर भुगतान अत्यंत आवश्यक है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा समस्त नगरवासियों से अपील की गई है कि वे अपने संपत्ति कर, जल कर एवं अन्य समेकित करों का बकाया भुगतान शीघ्र नगर पालिका कोष में जमा कर रसीद प्राप्त करें।



झेरिया यादव समाज ने की संगठनात्मक मजबूती और कार्य योजनाओं पर चर्चा



हरिभूमि न्यूज़ ►► उतई

ग्राम उतई के नेहरू नगर स्थित सामुदायिक भवन में छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज की बैठक में समाज के विस्तार, संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष: जगनिक यादव ,प्रदेश उपाध्यक्ष: भगत सिंह यादव,प्रदेश अध्यक्ष (राजनीति प्रकोष्ठ): तीर्थ राम यादव, प्रदेश अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ): चंदराम यादव, जिला कार्यकारी अध्यक्ष: मंगल यादव, पाटन परिक्षेत्र

अध्यक्ष: नेहरू यादव, दुर्ग जिला अध्यक्ष: ठाकुर राम यादव, जिला युवा अध्यक्ष: अश्वनी यादव,रायपुर जिला उपाध्यक्ष (ग्रामीण): प्रदीप यादव, नवनियुक्त नगर उतई इकाई पदाधिकारियों में उतई इकाई अध्यक्ष: मनोज यादव,उतई नगर अध्यक्ष: संतोष यादव,उतई नगर उपाध्यक्ष: अश्वनी यादव,सचिव: अर्पित यादव,उप सचिव: संजू यादव,सह सचिव: सुरेश यादव (ग्राम-मतवारी),महिला वर्ग:अध्यक्ष: वंदना यादव,उपाध्यक्ष: सत्यभामा यादव,सचिव: लक्ष्मी यादव,उप सचिव: हेमीन यादव,युवा प्रकोष्ठ:अध्यक्ष: मुक्तानंद यादव ,उपाध्यक्ष: हिमांशु यादव,सचिव: स्वास्थ्य यादव,उप सचिव: विपिन यादव और कोषाध्यक्ष अमन यादव बनाए गए।

न्यायालय नायब तहसीलदार अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.)
राजपत्रक्रमांक/2026/012800048/अ-27/कॉ 2025-26
रा.दु.नं - नाथवा. प.ह.नं. 017

// उद्घोषणा //

एतद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक कलीराम पटेल पिता स्व. निखल पटेल निवासी नाथवा, तहसील अहिवारा व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा छ.ग. नं.-नाथवाचव राशिवा. 1959 की धारा 178 के तहत आवेदन पेश किया गया है कि ग्राम नम्बरा ग.ड.नं. 017 तहसील नाथवा. 649, 688, 779/2, 786, 791, 801, 803, 805 राखब क्रमांक: 0.07, 0.02, 0.05, 0.11, 0.11, 0.10, 0.11, 0.12, 0.03 है, आवेदक एवं आवेदक के नाम पर जमीनला भूमिस्वामी हवा में दर्ज है। उक्त भूमि का खाली जमागान करने हेतु निवेदन कर आवेदन पत्र के साथ जमीन सखसती-1 एवं अन्य दस्तावेज संलग्न किया गया है। जिस संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचारधीन है।

अतएव इस आवेदन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आति, दावा हो वो स्वयं अवगत अपने अधिप्राप्त के माध्यम से इस न्यायालय में पेशी दिनांक 14/08/2026 को या उसके पूर्व कागजीबनी दिवस को लिखित में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिवस के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

यह ऐश्वर्य एवं आदिनांक 23/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील गुजर से जारी किया गया है।

पेशी दिनांक - 14/08/2026
जारी दिनांक - 23/07/2026

नायब तहसीलदार
अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHIKARMA | PILES | MEDIA | GYNAE | SKIN

छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 हिसरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित

प्रदेश के सम्पूर्ण शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरत प्रतिपत्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

9 लेक्टर - 7 ब कमल विलर, रायपुर (छ.ग.) 9 सिटी लेक्टर- कुष्णा टांकीर के सम्मने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666 9 मिलाई लेक्टर-नेहरू नगर (पूर्व), रायपुराई बैंक के फातर, मिलाई (छ.ग.) 95224 66605

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

मेडरिन्टी, सिन्ड्रेस एवं सजिकल हॉस्पिटल

उत्तम सुविधाएं

- गर्भवती महिलाओं को संपूर्ण जंच व परामर्श
- जन्म एवं सीजेडिआ हिलरी
- एवं बच्चेदात्री का ऑपरेशन व नवबन्दी
- सर्वतुल्यधायुक्त PICU, NICU, OT

बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्बिया, हाईड्रोसेल, सरकम सीजन की सुविधा

आयुजान कार्ड और CSEB से कैरालेस उपचार,

TPA की सुविधा

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनबीसीएन, एनबी) शिपु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलीला सिंह
(एनबीसीएन, जी.ओ.सी.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620

एकता नगर, अम्बेकर चौक के पास, सुविहारी रायपुर नगर - मातृ स्मृति नंगल नगर, मातृनी मंदिर के सामने, सुविहारी, रायपुर

अब मोतिया-बिन्द की सर्जरी से डरना छोड़िए!

अनुभवी फेको सर्जन

बिना इंजेक्शन

बिना टांके

बिना पट्टी

MICS तकनीक से सुरक्षित एवं आरामदायक सर्जरी

तेज रिकवरी, तुरंत घर वापसी कम समय में सर्जरी

प्रीमियम MULTIFOCAL / EDOF लेंस उपलब्ध

बिना इंजेक्शन के आई ड्रॉप से सर्जरी

डॉ. दिलीप लालवानी
फेको लोजन एवं युकुलोमा विशेषज्ञ
MOOREHEAD EYE HOSPITAL, LONDON
(AAO MEMBER)

डॉ. दिलीप लालवानी
फेको लोजन एवं युकुलोमा विशेषज्ञ
MOOREHEAD EYE HOSPITAL, LONDON
(AAO MEMBER)

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब

गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिन्वर मार्केट रोड, रायपुर

9827144197, 9827144777

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

- मूत्र रोग एवं सर्जरी
- किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
- प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
- यौन संबंधी समस्याएं
- अदिलारों में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

प्रतिस्पर्धी बाजार में तकनीकी उन्नयन की हैं व्यापक संभावनाएं : पंडा

हरिभूमि न्यूज
 ►► मिलाई

सेल के प्रबंध प्रशिक्षु (टेक्निकल)-2026 के सेट्रल इंडक्शन कार्यक्रम को सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने भिलाई निवास में शुभारंभ किया। उदघाटन समारोह में निदेशक केके सिंह तथा बीएसपी के डायरेक्टर इंचारं चित्त रंजन महापात्र सहित सेल व बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर निदेशक मनीष राज गुप्ता, निदेशक प्रभारी आरएसपी, आलोक वर्मा, निदेशक प्रभारी (आईएसपी) एवं डीएसपी) सुरजीत मिश्रा, निदेशक प्रभारी (बीएसएल) प्रिय रंजन, निदेशक (वाणिज्यिक-सेल), टीएन नटराजन, तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी दिलीप कुमार, ने वचुंअल



एसपी-3 में नई वॉकवे और डिडिस्टिंग लाइनों का उदघाटन भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट-3 में कार्यस्थल पर सुरक्षित आवागमन एवं संचालन को सुगम बनाने दो सुविधाएं शुरु की गईं। आरडीएफ-1 एवं आरडीएफ-2 के मध्य निर्मित नवीन ग्राउंड-लेवल वॉकवे तथा एम-105 एवं जेड 1 6 ए सी -1 सी 2 पर स्थापित नई डिडिस्टिंग लाइनों का उदघाटन पूर्व महाप्रबंधक आईबी रमणा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी राहुल बिजुरकर, महाप्रबंधक प्रभारी एके बेडेकर,डीजीएम एसके सत्यभौ, कैलाश गुप्ता, एमयू राव, डीके गुप्ता आदि उपस्थि थे। आरडीएफ-1 एवं आरडीएफ-2 के मध्य निर्मित नवीन ग्राउंड-लेवल वॉकवे से संबंधित क्षेत्र में संचालन एवं अनुरक्षण कार्यों के दौरान कर्मियों के आवागमन को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने में सहायता मिलेगी। यह सुविधा कार्यस्थल पर सुरक्षित आवागमन के साथ-साथ संबंधित गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित करने में सहायक सिद्ध होगी। इसी प्रकार नई डिडिस्टिंग लाइनों के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में धूल नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। इससे कार्यस्थल की स्वच्छता एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों में सुधार के साथ-साथ उपकरणों की विश्वसनीयता बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी।

बीएमवाय अस्पताल में नेत्र जांच शिविर भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में रेलवे कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों/रेलवे लाभार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उप मंडलीय रेलवे अस्पताल, बीएमवाय, भिलाई में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर डॉ. के पी एस कासीपथी, सी एम एस रायपुर के मार्गदर्शन में तथा डॉ. जेड योरस्वामी नायक, एडीएमओ बीमवाय, भिलाई एवं डॉ. ए तेजेश यादव, एडीएमओ बीमवाय, भिलाई की उपस्थिति में आयोजित किया गया।शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम द्वारा कुल 63 रेलवे लाभार्थियों की विस्तृत नेत्र जांच की गई। जांच के दौरान आवश्यकतानुसार लाभार्थियों को चश्मे उपलब्ध कराए गए तथा आंखों की देखभाल, आवश्यक सावधानियों एवं आगे के उपचार/फॉलो-अप के संबंध में चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

प्रदेशवासियों के लिए मांगी खुशहाली

हरेली पर विधायक देवेंद्र ने की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज
 ►► मिलाई

हरेली तिहार के अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने अपने परिवार के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हरेली पर्व मनाया। उन्होंने अपने निवास के द्वार पर नीम की पत्तियों वाली डालियां लगाई और घर में रखे खेती-किसानी में उपयोग होने वाले जरूरी औजारों एवं सामग्रियों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। विधायक देवेंद्र ने इस मौके पर कहा कि हरेली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, कृषि परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी मिट्टी, खेती-किसानी और पारंपरिक जीवनशैली से जोड़ता है। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और अच्छी फसल की कामना की। परिवार के सदस्यों के साथ पूजा की और चिला का भोग लगाया गया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति और लोकपरंपराओं से है। हरेली जैसे पर्व हमारी

सेल के सीएमडी ने प्रबंध प्रशिक्षुओं के इंडक्शन कार्यक्रम का किया शुभारंभ

कार्यक्षेत्र के लोगों से करें संवाद

श्री महापात्र ने कहा कि नए प्रशिक्षु देशभर से आए सर्वश्रेष्ठ तकनीकी प्रतिभाओं में से हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं को सीखने के प्रत्येक अवसर का पूरा लाभ उठाने, विभिन्न कार्यक्षेत्रों के लोगों के साथ संवाद करने और अपने आसपास के प्रत्येक व्यक्ति से सीखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आने वाले दशकों के व्यावसायिक जीवन में यह दृष्टिकोण उनके लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। प्रत्येक प्रशिक्षु में भविष्य का नेतृत्वकर्ता बनने की क्षमता है।



प्रशिक्षण कार्यक्रम की मिली जानकारी

इंडी. सेल संजय धर ने 52 सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के दौरान मिलने वाले विभिन्न सीखने के अवसरों, व्यावसायिक अनुभव एवं धक्कसपोजर की जानकारी दी तथा उनके संपूर्ण प्रशिक्षण सफर से अवगत कराया। पवन कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। जीएम प्रभारी एसके श्रीवास्तव ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन डीजीएम नीरजा शर्मा ने किया।

सहभागिता की। उन्होंने नए प्रशिक्षुओं को सफल करियर के लिए शुभकमानाएं दीं। कार्यपालक निदेशक एके चक्रवर्ती, प्रवीण निगम, पवन कुमार, पीके सरकार, कमल भारस्कर, कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार, बीके. बेहेरा सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख भी उपस्थित थे। परिचयात्मक वीडियो प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रशिक्षुओं को सेल की विभिन्न इकाइयों व संगठन की विकास यात्रा की जानकारी दी गई। डॉ. पंडा ने इस्पात उद्योग में आए व्यापक बदलावों तथा सेल की उस यात्रा पर प्रकाश डाला, जिसमें संगठन ने एक समय के एकाधिकार वाले बाजार से निकलकर आज के अत्यंत प्रतिस्पर्धी खुले

बाजार में अपनी मजबूत पहचान कायम रखी है। सेल की सात दशक से अधिक की विरासत स्वयं संगठन की दृढ़ता, क्षमता और मजबूती का प्रमाण है। डॉ. पंडा ने कहा कि चुनौतियां अपने साथ अवसर भी लेकर आती हैं। प्रतिस्पर्धी बाजार में कार्यप्रणाली में सुधार और तकनीकी उन्नयन की व्यापक संभावनाएं हैं। केके सिंह ने कहा कि प्रशिक्षुओं ने ऐसे महत्वपूर्ण समय में संगठन में प्रवेश किया है, जब विश्व के भविष्य के इस्पात उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा दुनिया के इसी क्षेत्र से आने की उम्मीद है और एक अग्रणी संगठन के रूप में सेल की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

गौरव पथ और सिरसा चौक से फुटकर व्यावसायियों को हटाया



हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई नगर पालिक निगम भिलाई-3 द्वारा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सड़क व फुटपाथ पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया गया। निगम की टीम ने गौरव पथ और सिरसा चौक क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सड़क पर यातायात बाधित कर रहे फुटकर व्यवसायियों को हटाया। नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यवसायियों के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की गई। निगम अधिकारियों के मुताबिक अभियान के दौरान सड़क और फुटपाथ पर दुकान या अन्य तरह का व्यवसाय संचालित करने वाले लोगों को हटाया गया। लंबे समय से सड़क किनारे व्यवसाय के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। इसी को देखते हुए निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

अभियान के दौरान निगम कर्मचारियों ने नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यवसायियों के खिलाफ चालान काटे। अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सड़क और फुटपाथ आम लोगों के आवागमन के लिए हैं, इसलिए इन्हें अतिक्रमण से मुक्त रखना जरूरी है। निगम ने फुटकर व्यवसायियों से अपील की है कि वे निर्धारित स्थानों पर ही व्यवसाय करें और सड़क या फुटपाथ पर दुकान लगाकर यातायात व्यवस्था बाधित न करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे क्षेत्रों में अभियान जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी के साथ ज़रूरत पड़ने पर ज़ब्त की कार्रवाई भी की जाएगी। निगम की इस कार्रवाई के दौरान अधिकारी और कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

दुर्ग जिले में नकली खाद, एक्सपायरी दवाएं बेचने के मामले अब तक आ चुके हैं सामने

जिले में 13 निजी कृषि केंद्रों में बिक्री प्रतिबंध 3 का एफआईआर के बाद लाइसेंस निलंबित

हरिभूमि न्यूज
 ►►मिलाई

खरीफ सीजन के दौरान किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग ने जिले में बड़े पैमाने पर जांच अभियान चलाया है। जिले में अब तक खाद , बीज और कीटनाशकों के कुल 737 नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच में खाद के 13 तथा बीज के 15 नमूने अमानक पाए गए हैं। इसके साथ ही अमानक उर्वरकों को बिक्री करने वाले 13 विक्रय केंद्रों पर बिक्री प्रतिबंध लगा दिया है। नकली खाद बनाने, एक्सपायरी दवाएं बेचने जैसे मामले में 3 केंद्रों पर एफआईआर दर्ज करवाए और उनके लाइसेंस निलंबित किए गए। 9 को और नोटिस जारी किया गया है।

बीज और कीटनाशक के नमूने प्रयोगशाला भेजे

कृषि विभाग के अनुसार जिले में अब तक 243 उर्वरक, 476 बीज और 18 कीटनाशकों के नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए। इनमें उर्वरक के 113, बीज के 400 और कीटनाशक के दो नमूने मानक स्तर के पाए गए हैं। वहीं उर्वरक के 13 तथा बीज के 15 नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। उर्वरक के 117, बीज के 61 और कीटनाशक के 16 नमूनों को रिपोर्ट अभी आना बाकी है।

154 केंद्रों की जांच, 56 में खाद बिना अनुज्ञाति के मिले

नकली और घटिया कृषि आदानों की बिक्री रोकने के लिए जिले में उड़नदस्ता टीम गठित की गई है। टीम द्वारा अब तक 154 निजी और सहकारी कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा चुका है। जांच के दौरान स्टॉक संधारण में गड़बड़ी और उर्वरक नियंत्रण आदेश के उल्लंघन जैसी अनियमितताएं मिलने पर 9 विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा 56 विक्रय केंद्रों में उर्वरक अनुज्ञाति में अतिरिक्त स्रोत जोड़े बिना बिक्री करने और दो केंद्रों में गिराफि्ट मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक बेचने के मामले पकड़े गये हैं। इन मामलों में उर्वरक जब्त कर प्रकरण कलेक्टर न्यायालय भेजा गया है।

737 खाद व कीटनाशक जांच के लिए लैब भेजे



पाटन क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई, चार गोदाम सीलबंद

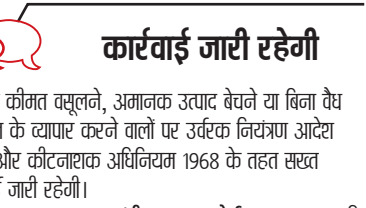
पाटन क्षेत्र के दो कंपनियों से जुड़े चार गोदामों में अवैध रूप से कीटनाशक, जैव उर्वरक और जैव उर्वरकों का भंडारण पाए जाने पर उन्हें सीलबंद कर दिया है। शिवालय कॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से विभिन्न कीटनाशक, जैव उर्वरक और कार्बनिक उर्वरकों का भंडारण मिला। कर्मचारियों द्वारा वैध लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। निरीक्षण में कई उत्पादों का अवधि समाप्त हो चुकी थी तथा कुछ सामग्री बिना बैच नंबर के पाई गई। कार्रवाई के दौरान लगभग 5,286 लीटर और 4,717 किलोग्राम कीटनाशक तथा 1,380 लीटर और 1,714 किलोग्राम जैव उर्वरक जब्त किए गए। गोदाम से लगे दूसरे भवन को पहले सीलबंद किया गया और अगले दिन खेलने पर वहां से 450 लीटर एवं 376 किलोग्राम एक्सपायरी कीटनाशक, 1,210 किलोग्राम जैव उर्वरक और बड़ी मात्रा में खाली रेपर व पैकिंग सामग्री बरामद हुई।

कॉर्टेक्स एगो साइंस के दो गोदाम भी सील

उसी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान कॉर्टेक्स एगो साइंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से संचालित दो अन्य गोदामों में भी अवैध भंडारण और विक्रय का मामला सामने आया। यहां 2,100 लीटर से अधिक कीटनाशक तथा लगभग 2,170 किलोग्राम कीटनाशक और जैव उर्वरक सामग्री जब्त की गई। दोनों गोदामों को सीलबंद कर दिया गया। चारों गोदामों से कुल मिलाकर 50 से अधिक प्रकार के लगभग 10,124 लीटर एवं 1,884 किलोग्राम कीटनाशक तथा 1,840 लीटर एवं 3,665 किलोग्राम जैव उर्वरक जब्त किए गए हैं। नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

825 बोरी खाद राजसात और लाइसेंस किया निरस्त

मैसर्स विद्या कृषि केन्द्र बोरी में कई अनियमितताओं के मामले में लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यहां स्टॉक का सही उल्लेख न होना पाया। कैश/क्रेडिट मेमो जारी नहीं करना मिला। भौतिक स्टॉक व पॉस स्टॉक में अंतर तथा जांच दल की कार्यवाही में बाधा पहुंचाना पाया गया। इस केन्द्र में 825 बोरी खाद राजसात कर ली गई और लाइसेंस निरस्त किया गया।



कार्रवाई जारी रहेगी

अधिक कीमत वसूलने, अमानक उत्पाद बेचने या बिना वैध दस्तावेज के व्यापार करने वालों पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 और कीटनाशक अधिनियम 1968 के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सदीप कुमार भोंई, उपसंचालक कृषि

मांगों को लेकर बैंक कर्मियों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज
 ►► मिलाई

बैंकों में सप्ताह में 5 दिवसीय कार्य दिवस तत्काल लागू करने की लंबित मांग को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया गया। भिलाई-दुर्ग क्षेत्र में भी बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद की।

- 200 से अधिक बैंक अधिकारी और कर्मचारी हुए एकजुट

बुधवार को कार्यालय समय समाप्त होने के बाद आयोजन में भिलाई और दुर्ग स्थित सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की विभिन्न बैंक शाखाओं के लगभग 150 अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। प्रमुख मांगों में 5 दिवसीय बैंकिंग का तत्काल क्रियान्वयन, समानता व कार्य-जीवन संतुलन आदि शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि सरकार, आरबीआई और अन्य प्रमुख वित्तीय व कॉर्पोरेट संस्थानों में 5 दिवसीय कार्यप्रणाली पहले से लागू है। बैंक



कर्मचारियों पर बढ़ते कार्य दबाव को देखते हुए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए यह अति आवश्यक है। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने हाथों में बैनर एवं तख्तियां लेकर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। संयोजक एवं यूनियन प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार एवं भारतीय बैंक संघ द्वारा 5 दिवसीय बैंकिंग की मांग को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कर्मियों ने बताया कि पहले बैंक सोमवार से शुक्रवार तक पूरे दिन तथा सभी शनिवारों को आधे दिन कार्य करते थे। वर्ष 2015 में सरकार और इंडियन बैंक एसोसिएशन आईबीए के बीच सहमति बनी, जिसके तहत प्रत्येक माह आरबीआई और अन्य प्रमुख वित्तीय व कॉर्पोरेट संस्थानों में 5 दिवसीय कार्यप्रणाली पहले से लागू है। बैंक



युवा सर्जनों को किया जागरूक कार्यक्रम के कोर्स कोऑर्डिनेटर एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा सर्जरी युनिट प्रभारी डॉ. मनीष देवांगन ने शैक्षणिक उपयोगिता एवं प्रतिभागियों की सहभागिता की दृष्टि से कार्यक्रम को सफल बताया। कार्यक्रम के संचालन में विभागध्यक्ष एनेस्थीसिया डॉ. तनुजा आनंद के नेतृत्व में एनेस्थीसिया विभाग की टीम डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. निलेश चंद्र एवं डॉ. शिखा अग्रवाल ने आवश्यक एनेस्थीसिया संबंधी व्यवस्थाओं एवं चिकित्सकीय सहयोग को सुनिश्चित किया।

फैकल्टी डॉ. मनीष देवांगन, डॉ. पराग गुप्ता, डॉ. तरुण नायक, डॉ. राजेश सिन्हा एवं डॉ. वैशाली भगत ने इंग्वानल हर्निया के उपचार में प्रयुक्त शल्य तकनीकों का लाइव प्रदर्शन किया।



इसी पहचान को मजबूत करते हैं और समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और खुशहाली का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

HI TEK
 SUPER SPECIALITY HOSPITAL
 NABH ACCREDITED HOSPITAL

हमारी विशेष सेवाएं

- एंडोस्कोपी (ENDOSCOPY)**
पाचन नली, पेट, ड्यूओडेनम आदि की जांच एवं उपचार
- कोलोनोस्कोपी (COLONOSCOPY)**
बड़ी आंत की जांच, पॉलिप, कोलोन कैंसर की पहचान तथा उपचार
- ई.आर.सी.पी (ERCP)**
पित्त नली, अग्न्याशय की नली एवं पित्तशय की समस्याओं का उपचार
- संपूर्ण गैस्ट्रो एवं लिवर देखभाल**
पेट, लिवर, अग्न्याशय एवं पाचन तंत्र के सभी रोगों का समग्र इलाज
- सभी प्रकार गैस्ट्रिक सर्जरी**
लैपरोस्कोपिक विधि से छोटा घीरा, कन रक्तश्राव, जलद छुट्टी

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग

आपके पाचन तंत्र और शरीर के स्वास्थ्य के लिए सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए

ESIC, Aayushman, CGHS, CORPORATE (रेलवे नागपुर से अनुबंधित)

सहित सभी TPA के साथ अनुबंधित

डॉ. सिंकु कुमारी
MD (Med.), DM (Gastro)
गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट
(पाचन तंत्र एवं लिवर रोग विशेषज्ञ)

आज ही अपॉइंटमेंट लें और बेहतर पाचन स्वास्थ्य की ओर बढ़ें!

HITEK सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल
जुनवानी - समुति नगर रोड, भिलाई, दुर्ग

0788-4056666

आपकी सेहत हमारी प्राथमिकता

online Booking:-www.tripuryatra.com

सुखिया ज्योदा सबसे कम राशि पर

स्पेशल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)

कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर

रामेश्वरम् धाम यात्रा

श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी

राशि :- स्त्रीपर 16,500/-, 3 स्त्री- 27,500/-, 2 स्त्री 32,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR-936, Sector-4, Kankar Nagar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:- 7354-411411



लाइव इवेंट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और क्रेडिट सिस्टम पर हुई चर्चा, विद्यार्थियों को मिला समाधान



भिलाई। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं उच्च शिक्षा में क्रेडिट सिस्टम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों के विशेष संबोधन हुए। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की नई अवधारणाओं, अकादमिक व्यवस्था तथा व्यक्तित्व निर्माण के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने के लिए किया गया था। विश्वविद्यालय में चार दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा आधारित संबोधन हो रहे हैं। इसी क्रम में डॉ. अनुपमा अस्थाना, अपर संचालक, उच्च शिक्षा दुर्ग ने व्यक्तित्व विकास विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, अनुशासन, संचार कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने ज्ञान के साथ-साथ व्यवहार, दृष्टिकोण और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी मजबूत बनाएं। डॉ. अरुण कुमार सिन्हा संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की प्रमुख विशेषताओं एवं उच्च शिक्षा में इसके प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ कौशल, नवाचार, अनुसंधान एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के बदलते स्वरूप के अनुरूप स्वयं को तैयार करने तथा बहुविषयक अध्ययन एवं कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया।

इसी क्रम में डॉ. हिमांशु वर्मा, गुणवत्ता प्रकोष्ठ, उच्च शिक्षा ने क्रेडिट सिस्टम विषय पर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने क्रेडिट की अवधारणा, पाठ्यक्रम चयन, अकादमिक लचीलेपन तथा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक अवसरों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप विषयों का चयन करते हुए उच्च शिक्षा की सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।



लाइव इवेंट

पौधारोपण कर विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प



दुर्ग। छत्तीसगढ़ के प्रथम त्योहार हरेली पर्व के अवसर पर महर्षि दयानंद आर्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गयानगर दुर्ग में पर्यावरण संरक्षण और हरित संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के नवीन निर्मित विशाल परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलदार, औषधीय और सुगंधित पुष्पों के पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम में आर्य शिक्षा समिति दुर्ग-भिलाई के अध्यक्ष विनीत बंसल ने पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य का आधार भी हैं। उन्होंने एक पेड़, एक जीवन का संकल्प दिलाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति और परोपकार का विशेष महत्व रहा है। नदियां परोपकार के लिए बहती हैं, गांवें दुध देती हैं और वृक्ष भी मानव जीवन के लिए छाया, फल और शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। इसलिए पौधों का रोपण करने के साथ उनका संरक्षण करना भी हमारी जिम्मेदारी है। आर्य शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष विनीत श्रीवास्तव ने कहा कि हरेली पर्व प्रकृति, कृषि और पर्यावरण के प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता का संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया। विद्यालय की प्राचार्या बी साईं शीतल ने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

गीत-संगीत, नृत्य और गेड़ी ने बढ़ाई रौनक

हरेली पर्व के अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गीत-संगीत और नृत्य के साथ विद्यार्थियों ने पारंपरिक गेड़ी चलाकर कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। विद्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन चोला, गुलगुला और बड़ा भी तैयार किए गए। कार्यक्रम में प्राथमिक विभाग की प्रभारी मेघमाला मिश्रा सहित पल्लवी शर्मा, लक्ष्मी यादव, लोकनाथ शास्त्री, अश्वनी साहू, अमित अग्रवाल, सरोज सिंगारे, सरला मानिकपुरी, राजेश्वरी और विजय देवांगन सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहयोग दिया। कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया।

● पौधारोपण के साथ प्रकृति बचाने का संदेश, पारंपरिक व्यंजनों से महकी घर-आंगन की खुशबू

आ गे हरेली तिहार... प्रकृति के सम्मान में नागर-बैला की पूजा कर चढ़ाया गुलगुला, भजिया और चीले का प्रसाद, चढ़े गेड़ी

भिलाई। छत्तीसगढ़ की माटी, खेती-किसानी और लोकजीवन से जुड़ा हरेली तिहार बुधवार को दुर्ग-भिलाई सहित ग्रामीण अंचलों में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही घर-आंगन में पर्व की रौनक नजर आई। किसानों ने नागर-बैला, हल, कुदाली सहित कृषि उपकरणों की पूजा कर अच्छी फसल और सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं बच्चों और युवाओं ने गेड़ी दौड़ सहित पारंपरिक खेलों में हिस्सा लेकर तिहार की खुशियां बांटीं।



खेती के औजारों से लेकर पशुधन की हुई पूजा

ग्रामीण क्षेत्रों में हरेली की शुरुआत कृषि उपकरणों और पशुधन की पूजा से हुई। कई स्थानों पर मां शीतला की पूजा-अर्चना कर परिवार और गांव की खुशहाली की कामना की गई। शहर से लगे आसपास गांवों में भी विशेष आयोजन हुए। लोगों ने बताया कि किसान परिवार के लिए हरेली खेती-किसानी से जुड़े लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन कृषि औजारों के साथ दुधारू पशुओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने की परंपरा भी निभाई जाती है।

गेड़ी, भौरा और सुआ गीत ने बढ़ाया उत्साह

शहर की पुरानी बस्तियों से लेकर ग्रामीण परिवेश वाले इलाकों तक हरेली की पारंपरिक छटा दिखाई दी। स्कूलों और सामाजिक संस्थाओं ने गेड़ी दौड़, रस्साकसी, कुर्सि दौड़, रंगोली और मेहंदी जैसी प्रतियोगिताएं कराईं। कहीं नारियल फेंक और भौरा ने बच्चों को आकर्षित किया तो कहीं सुआ गीत और फुगड़ी की प्रस्तुतियों ने माहौल में लोक रंग घोल दिया। कई निजी स्कूलों में विद्यारंभ संस्कार भी कराया गया।

दुर्ग के पोटिया, बोरसी, बघेरा और पुलगांव तथा भिलाई के रिसाली, मरोदा, डुंडेरा, कुरूद, जामुल और पुरेना सहित अनेक क्षेत्रों में सांस्कृतिक आयोजन हुए। घरों में गुलगुला, भजिया और चीला जैसे पारंपरिक पकवान भी बनाए गए।

हरेली में हरियाली का संकल्प

पर्व के दौरान कई स्थानों पर आम, कटहल और जामुन के पौधे रोपे गए। आयोजकों ने कहा कि हरेली सिर्फ कृषि पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, पशुधन, लोकपरंपरा और आपसी भाईचारे को सहेजने का उत्सव है। नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ यह पर्व पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहा है।

हरेली के अवसर पर गांवों में विशेष पूजा की गई। स्कूलों में खेल आयोजन हुए। स्पर्धा के दौरान नारियल फेंक मुख्य आकर्षण रहा। गांव में लोगों ने उपवास रखकर मां शीतला की पूजा-अर्चना की। सुख-समृद्धि की कामना की। स्कूलों में बच्चों के लिए गेड़ी दौड़, रस्साकसी आदि जैसे खेलों का लुत्फ उठाया। गेड़ी दौड़ व रस्साकसी स्पर्धा को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा गया। कुछ जगहों पर कुर्सी दौड़, रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।



वसुंधरा द्वारा व्योमेश शुक्ल और शशांक शर्मा का व्याख्यान 14 को

भिलाई। संस्था वसुंधरा संस्था व चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा 14 अगस्त को दोपहर 3.30 बजे वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर में किया गया है। संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से भारतीय ज्ञान परंपरा, संदर्भ: संस्कृति, इतिहास एवं पत्रकारिता विषय पर आयोजित संगोष्ठी को प्रसिद्ध विचारक, लेखक व्योमेश शुक्ल और शशांक शर्मा संबोधित करेंगे। संचालन वरिष्ठ पत्रकार डॉ. विश्वेश ठाकरे करेंगे।

वरिष्ठ आलोचक व संस्कृतिर्मी श्री शुक्ल को रंग निदेशन के लिए संगीत



नाटक अकादमी द्वारा उस्ताद बिस्मिल्ला खां युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। एक अंग्रेजी दैनिक ने उन्हें देश के दस श्रेष्ठ युवा लेखकों में शामिल किया था और सामाजिक सांस्कृतिक परिदृश्य में

सक्रिय शख्सियतों में जगह दी। वे नागरीप्रचारिणी सभा काशी के प्रधानमंत्री के तौर पर हिंदी के विकास के लिए कार्यरत हैं। शशांक शर्मा छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से रासायनिक अभियांत्रिकी तथा व्यावसायिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर की शिक्षा ग्रहण करने वाले श्री शर्मा छत्तीसगढ़ की कला, साहित्य, संस्कृति, इतिहास और पत्रकारिता परंपरा की गहरी जानकारी रखते हैं। समारोह में श्री राजेश गनोदवाले को स्व. देवीप्रसाद चौबे की स्मृति में स्थापित व वसुंधरा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

गुरुदेव की स्मृति में सजेगी 22वां श्रावण सांस्कृतिक संध्या

धरती से अनंत के पार में संगीत, नृत्य और कला के जरिए रवीन्द्रनाथ ठाकुर को आज दी जाएगी भावांजलि



आयोजकों के अनुसार श्रावण की वर्षांमयी ऋतु और गुरुदेव की स्मृतियों के बीच एक आत्मीय सांस्कृतिक सेतु स्थापित करने के उद्देश्य से इस स्मरण-संध्या की परिकल्पना की गई है। कार्यक्रम की मूल परिकल्पना संगीत गुरु बिश्वजीत सरकार एवं संचयिता राय ने की है। सांस्कृतिक संध्या में गुरुदेव के साहित्य, संगीत, नृत्य, नाटक, दर्शन और शिक्षा के विविध आयामों को स्मरण करते हुए भावांजलि अर्पित की जाएगी।

रामभक्तों को अयोध्या किया रवाना

दुर्ग। श्री रामलला तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत दुर्ग जिले से रामभक्तों का जत्था आज अयोध्या धाम की पावन यात्रा के लिए रवाना हुआ। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने दुर्ग रेलवे स्टेशन से श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए रवाना किया और सभी रामभक्तों को सफल, सुखद और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रभु श्रीराम हम सभी के आराध्य हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने श्री रामलला तीर्थ यात्रा योजना प्रारंभ कर प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों और श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन का सौभाग्य प्रदान किया है। उन्होंने कहा यह योजना सनातन संस्कृति और धार्मिक आस्था को समर्पित है। प्रभु श्रीराम के पावन धाम अयोध्या की यह यात्रा निश्चित रूप से सभी श्रद्धालुओं के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि लेकर आएगी।



संगीत, नृत्य के साथ होगी अन्य कलात्मक प्रस्तुतियां

सांस्कृतिक सचिव मोऊ राय ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य गुरुदेव की कला-दृष्टि, प्रकृति-चेतना और मानवीय दर्शन को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। संगीत, नृत्य और अन्य कलात्मक प्रस्तुतियों के जरिए गुरुदेव की रचनात्मक चेतना को जीवंत किया जाएगा।



कार्नर न्यूज

भिलाई। श्रावण की वर्षांमयी ऋतु, प्रकृति का संगीत और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की अमर रचनाएं जब एक मंच पर आकार लेंगी, तो भिलाई में एक आत्मीय सांस्कृतिक संध्या साकार होगी। गुरुदेव की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी साहित्यिक, सांस्कृतिक और मानवीय चेतना को समर्पित विशेष आयोजन गुरुवार को शाम साढ़े 7 बजे से प्रगति भवन, सिविक सेंटर में 22वां श्रावण-धरती से अनंत के पार आयोजित किया जयेगा। इसका आयोजन रवीन्द्र सुधा, भिलाई द्वारा ऑफिसर्स एसोसिएशन, भिलाई इस्पात संयंत्र के सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के एजीक्यूटिव डायरेक्टर प्रोजेक्ट प्रवीर कुमार सरकार होंगे। विशिष्ट अतिथियों में संपी चेयरमैन एवं अध्यक्ष, ऑफिसर्स एसोसिएशन, भिलाई एनके बंछोर, भूतपूर्व सचिव ओए बीएसपी भिलाई परमंदर सिंह तथा कोषाध्यक्ष ओए बीएसपी भिलाई एसआर साहू शामिल होंगे।

सिटी इवेंट

पारंपरिक वेशभूषा तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मोहा मन



दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के अंतर्गत महाविद्यालय के रविंद्र नाथ टैगोर हाल में समूह गान प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें आदिवासी लोक संस्कृति लोक त्योहार पारंपरिक सभ्यता पर आधारित था कार्यक्रम का अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ अजय कुमार सिंह ने आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, भाषा, कला और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय देश की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है और उनके अधिकारों तथा विकास के लिए समाज को जागरूक होना चाहिए। इस अवसर पर लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक वेशभूषा तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मोहा मन। विद्यार्थियों ने भी विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत कर आदिवासी संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा आदिवासी क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। साथ ही जल, जंगल और जमीन के संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति आदिवासी समाज के पारंपरिक ज्ञान की सराहना की गई।

समूह गान के अंतर्गत कुल 6 समूहों ने प्रतियोगिता में भाग लिया समूह गान आदिवासी बोली गाँड़ी एवं अन्य भाषाओं पर व्यवस्थित थी इसमें प्रथम स्थान के रूप में मोहम्मद आदिल एवं समूह तथा द्वितीय स्थान पर मुस्कान एवं समूह एवं तृतीय स्थान पर सत्यम जंघेल एवं समूह रहे। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. रिचा ठाकुर, प्राचार्य संगीत महाविद्यालय, दुर्ग प्राध्यापक डॉ. दिव्या मित्र, डॉ. गोवर्धन सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ राकेश तिवारी एवं डॉ. अनुपमा कश्यप रहे कार्यक्रम के संयोजन के लिए प्राचार्य डॉ अजय कुमार सिंह ने सभी छात्रों को अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के संचालन में डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी, डॉ सतीश कुमार सेन, डॉ. उमा आडिल, डॉ. प्रीति तन्ना टॉक, डॉ सीमा पंजवानी का विशेष योगदान रहा। धन्यवाद ज्ञापनडॉ. अनुपमा कश्यप ने दिया।



सिटी लाइव

नवनिर्वाचित शाला प्रतिनिधियों को दिलाई शपथ, दी जिम्मेदारी

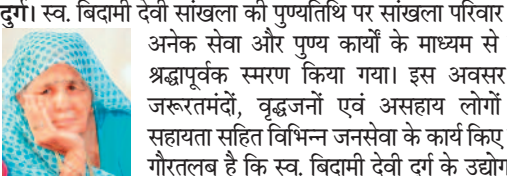


भिलाई। श्री शंकरा विद्यालय सेक्टर -10 में अलंकरण समारोह सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. विनीता साहू स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला अस्पताल दुर्ग थी। समारोह में निर्वाचित छात्र-छात्राओं को सेरो व सदन-ध्वज प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शालेय नव निर्वाचित सदस्यों को पद व शाला की गरिमा को बनाए रखने प्राचार्य बिपिन देशमुख द्वारा विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। शालेय मुख्य कप्तान इवान अली, अशनीर सैनी, सह मुख्य कप्तान कृतार्थ राय, सुरभि मेघवानी, सांस्कृतिक सचिव हेल्विक चौधरी, रिद्धि घोष, अनुशासन सचिव कुंज रजक, वैदिका चौधरी, खेल सचिव कल्प चेतन जाधव, अन्वी जैन, पब्लिक स्पीकिंग कप्तान आरव सरकार, आन्या वर्मा चुने गए।

मुख्य अतिथि डॉ. विनीता साहू ने छात्र- छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को अपने आदर्श और मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए। एक विद्यालय हमेशा बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके बाद नव निर्वाचित शालेय मुख्य कप्तान इवान अली और अनुशासन सचिव वैदिका चौधरी द्वारा जिम्मेदारी के निर्वहन को ईमानदारी से करने का उत्साहपूर्वक भाषण दिया गया। प्राचार्य बिपिन देशमुख ने नव निर्वाचित शालेय प्रमुखों को ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बी रामचंद्रन, सचिव एस स्वामीनाथन और अन्य सदस्यों ने नव-निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं। मंच संचालन जी जोशी मेरी और बी दिव्या ने तथा धन्यवाद ज्ञापन नीलम राजपूत ने किया।

पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों, वृद्धजनों और असहाय लोगों की सहायता



दुर्ग। स्व. बिदामी देवी सांखला की पुण्यतिथि पर सांखला परिवार द्वारा अनेक सेवा और पुण्य कार्यों के माध्यम से उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों, वृद्धजनों एवं असहाय लोगों की सहायता सहित विभिन्न जनसेवा के कार्य किए गए। गौरतलब है कि स्व. बिदामी देवी दुर्ग के उद्योगपति उम्मेद सांखला, नरेश सांखला, इन्द्रचन्द्र प्रकाश सांखला तथा दुर्ग सराफा और कैट के अध्यक्ष व बीजेपी व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक प्रकाश सांखला की माता थीं। उन्होंने अपने परिवार को धर्म, संस्कार, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के जिन मूल्यों से जोड़ा। स्व. बिदामी का संपूर्ण जीवन धार्मिक और आध्यात्मिक विचारों तथा गुरुजनों और संतों की सेवा को समर्पित रहा। उनका मानना था कि जरूरतमंद की सहायता और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन ही धर्म और पुण्य की सार्थक अभिव्यक्ति है। सांखला परिवार आज भी उनके बताए सेवा मार्ग को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। परिवार द्वारा केवल विशेष अवसरों पर ही नहीं, बल्कि वर्ष भर समाजहित एवं लोकहित के कार्यों, वृद्धाश्रमों, अनाथालयों तथा जरूरतमंद परिवारों की सहायता में योगदान दिया जाता है।

हरे रंग में सजा सावन, तीज के रंग में खिला महिलाओं का उत्साह

राधा-कृष्ण की आराधना के बाद सावन के गीतों पर थिरके कदम, तीज क्वीन का हुआ चयन, हरे रंग में सजा सावन

मिलाई। सावन की फुहारों के बीच जब महिलाएं हरे परिधानों में सजकर एक साथ जुटीं तो वातावरण में त्योहार की रंगत ने अपनी छाप छोड़ी। कहीं सावन गीतों की मधुर धुन पर महिलाओं ने नृत्य किया, तो कहीं खेलकूद, रील और मनोरंजक गतिविधियों ने उत्सव में चार चांद लगा दिए। तीज मिलन के इन आयोजनों में महिलाओं ने पारंपरिक संस्कृति के साथ आधुनिक अंदाज में भी त्योहार का आनंद लिया। सरयू पारिण बाहमण समाज सेक्टर-7 और श्री शिवालय महिला जन कल्याण समिति हिंद नगर रिसाली की ओर से आयोजित सावन-तीज मिलन में महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।



सावन गीतों पर थिरके कदम, रील बनाकर संजोई यादें

सरयू पारिण बाहमण समाज सेक्टर-7 के भवन में समाज की महिलाओं ने सावन उत्सव मनाया। सभी महिलाएं हरे परिधान में सज-धजकर पहुंचीं और पूरे आयोजन को सावन के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम की शुरुआत राधा-कृष्ण की पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद मीना शर्मा और विजिया ने शिव भजन एवं सावन गीतों की प्रस्तुति दी। उत्सव के दौरान मनोरंजक गेम भी खेलाए गए, जिसमें महिलाओं ने बट-चटकर हिस्सा लिया। गेम में सुधा शर्मा, सुषमा द्विवेदी, रचना, प्रणिता और सरिता शर्मा को विशेष पुरस्कार मिले, जबकि अर्चना दुबे को भी स्पेशल प्राइज दिया गया। इसके बाद सावन गीतों पर महिलाओं का उत्साह देखते ही बना। रंगीला सावन आयो, चौमासो लावयो रे, छतरी ना खोल बरसात में और चंचल वुडियां खनका के जैसे गीतों पर महिलाओं ने नृत्य किया और रील बनाकर इन खुशनुमा पलों को यादों में संजोया। अर्चना और अनीता ने सावन नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन अनीता पांडे और प्रांजलि पांडे ने किया। अध्यक्ष सरिता शर्मा ने सभी महिलाओं को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में कुमुद, प्रमिता, अचला, कल्याणी, ज्ञानेश्वरी, वंदना, रितु तिवारी, मीना, विजया, रचना, सुषमा, सुधा सहित समाज की महिलाएं मौजूद रहीं।

तीज क्वीन के साथ सजा सावन मिलन

श्री शिवालय महिला जन कल्याण समिति, हिंद नगर रिसाली की ओर से श्री जगन्नाथ भवन में सावन मिलन एवं तीज मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुनंदा चंदाकर, हेमलता सिंह, संध्या वर्मा और तेजस्विनी सोनवानी रहीं। समारोह की शुरुआत श्री जगन्नाथ जी की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद गीत-संगीत, नृत्य और खेलकूद की गतिविधियों में माहौल को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम का खास आकर्षण तीज क्वीन प्रतियोगिता रही। इसमें ललिता सिन्हा को तीज क्वीन चुना गया, मधु यादव ने द्वितीय और उमा सोनी ने तृतीय स्थान हासिल किया। समिति की अध्यक्ष कृष्णा मिश्रा, कोषाध्यक्ष संध्या यादव, सचिव मीरा यादव और संयुक्त सचिव कविता यादव सहित समिति की सदस्य जानकी राव, वंदना मन्थापुरवार, मधु यादव, लक्ष्मी शर्मा, कविता मिश्रा, ममता विश्वकर्मा, प्रभा राव, सुनंदा यादव, सपना साहू, बिंदु मिश्रा, तारामती साहू, अनीता ठाकुर, सरला हल्दकार, कुसुम प्रसाद, रितु मिश्रा, मीना पाठक, शालिनी मिश्रा, गंगा क्षत्री, इंदिरा शर्मा, रूबी शर्मा, रामेश्वरी साहू, नलिनी नायडू, भारती साहू, निर्मला हरदहा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं।



राजयोग से मन को शक्तिशाली बनाने का संदेश

प्रकृति को देंगे सकारात्मक ऊर्जा तो वो बनेगी हमारी सहयोगी

भिलाई। पर्यावरण संरक्षण केवल पेड़ लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रकृति के प्रति सकारात्मक सोच और जिम्मेदार व्यवहार भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी संदेश के साथ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, एचआरजी-1083 हाउसिंग बोर्ड में पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली से पधारे ब्रह्माकुमार पीयूष ने पर्यावरण संरक्षण के साथ आपदा के समय मन को शांत और शक्तिशाली रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे, जल, वायु, मिट्टी और जीव-जंतु हमारे जीवन का आधार हैं। बढ़ता प्रदूषण, पेड़ों की कटाई, जल की बर्बादी और प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग प्रकृति के लिए गंभीर चुनौती है। ऐसे में अधिक से अधिक पौधरोपण, जल एवं ऊर्जा संरक्षण, स्वच्छता और प्लास्टिक के सीमित उपयोग को जीवनशैली का हिस्सा बनाना जरूरी है। बीके पीयूष ने कहा कि बाढ़, भूकंप, आग और तूफान जैसी आपदाओं के समय घबराने के बजाय धैर्य और समझदारी से निर्णय लेना चाहिए। इसके लिए पहले से मानसिक और व्यावहारिक तैयारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शक्तिशाली मन असंभव की भी संभव कर



सकता है और राजयोग के अभ्यास से मन को सकारात्मक एवं शक्तिशाली बनाया जा सकता है। उन्होंने कमेंट्री के माध्यम से प्रकृति को सकारात्मक सकारा देने की अवधारणा भी समझाई। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारी मां है। यदि हम उसे सुख देंगे तो प्रकृति भी हमें सुख और सहयोग देगी। इसके लिए प्रतिदिन सकारात्मक चिंतन और अच्छे वाइब्रेशन का अभ्यास करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैलाश मल्होत्रा, विवेक सिंह, सरोजिनी पाणिग्रही एवं ब्रह्माकुमारी वर्षा सहित अन्य



उपस्थित रहे। सभी को मन को शक्तिशाली बनाने और प्रतिदिन सकारात्मक चिंतन का दृढ़ संकल्प कराया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीषा बहन ने किया। इस अवसर पर राजयोग अभ्यास के लिए विशेष शिविर भी आयोजित किया गया।

छात्राओं ने उत्साह से लिया पारंपरिक खेलों में हिस्सा

कॉलेज में सजी लोक परंपराओं की रंगत मनोरंजन के साथ दिखा आत्मविश्वास



पारंपरिक खेल मनोरंजन के साथ आत्मविश्वास बढ़ाने में भी सहायक

कार्यक्रम की शुरुआत गेड़ी दौड़ से हुई। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मिट्टी और अपनी परंपराओं को कभी नहीं भूलना चाहिए, बल्कि उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। पारंपरिक खेल मनोरंजन के साथ-साथ शारीरिक क्षमता और आत्मविश्वास के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कौड़ा अधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि महाविद्यालय में लगभग प्रतिवर्ष हरेली पर्व के अवसर पर फुगड़ी एवं गेड़ी प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इसका उद्देश्य छात्राओं को छात्रीसगढ़ की शारीरिक परंपराओं और लोकखेलों से परिचित कराना है। कार्यक्रम में मोहंदा दुर्वास निषाद शासकीय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सोमाली गुप्ता भी उपस्थित रहीं।

गेड़ी दौड़ में देविका और इंदू प्रथम

गेड़ी प्रतियोगिता में देविका साहू, बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर और इंदू साहू, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं रचना साहू, बी.एससी तृतीय सेमेस्टर ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

फुगड़ी में इंदू ने बाजी मारी

फुगड़ी प्रतियोगिता में इंदू साहू, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर प्रथम रहीं। तृप्ति साहू, बी.एससी पंचम सेमेस्टर ने द्वितीय तथा तृप्ति वर्मा, बी.कॉम पंचम सेमेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की महिला कर्मचारियों ने भी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गेड़ी और फुगड़ी का आनंद लिया। इनमें मनोरमा यदु, सुनीता और किरण शामिल रहीं। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मौनिया राकेश, उद्योति मरणे और अरविंद लोखंडे उपस्थित थे। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. ऋतु दुबे एवं पायल साहू ने किया। कार्यक्रम में विजय चन्द्राकर और बल्ला वैष्णव का विशेष योगदान रहा।

सिटी स्पोर्ट्स

संभाग स्तरीय शालेय जुडो में जुटे जूनियर खिलाड़ी



भिलाई। संभाग स्तरीय शालेय जूडो प्रतियोगिता का आयोजन जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। प्रतियोगिता में दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद, खैरागढ़ एवं बेमेतरा जिले के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 74 बालक, 57 बालिका जुडो खिलाड़ी तथा 24 ऑफिशियल ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान ऑफिशियल के रूप में अरुण द्विवेदी (जूडो रेफरी एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश जुडो संघ), प्रमोद तिवारी, संतोष जयेल, राज, श्रद्धा कुमारी, डिगेश्वरी साई, अरुणा बाई, राज्य रेफरी राज सिंह, योगेंद्र, तनुरानी ने मुख्य भूमिका निभाई। चयनित अंडर-14 वर्ष बालिका में नीलम दुर्ग, तुषा राजनांदगाव, तान्या दुर्ग, ज्योतिका दुर्ग,श्रावणी दुर्ग, दिव्या राजनांदगांव, प्रगति राजनांदगांव, एनपी ईश्वरी राजनांदगांव, दुर्गा चौबे दुर्ग, स्वाति दुर्ग, गामिनी बालोद, वैदिका बालोद, जिया बालोद, लिखेश्वरी बालोद, खुशबू बालोद, अंडर-14 वर्ष बालक में प्रदीप बालोद,घनश्याम बालोद,जयंत बेमेतरा,तेजस दुर्ग, यशराज दुर्ग,अनुज बालोद,दिशांत बालोद, अंडर-17 वर्ष बालक में लवकुश दुर्ग,आयेन दुर्ग, सत्यम राजनांदगांव, अभय दुर्ग,सौम्य बालोद, विनय बालोद, जतिन राजनांदगांव, विनायक राजनांदगांव और सुयश दुर्ग शामिल हैं।

संभाग स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा 23 को



दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला संघ द्वारा जी एच रायसोनी की स्मृति में एक दिवसीय संभाग स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा का आयोजन 23 अगस्त को खालसा पब्लिक स्कूल दुर्ग के सभागार में आयोजित है। जिसमे अंडर 7, 9,11,13,15,17 एवं अंडर 19 वर्ग के स्कूल शतरंज प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। स्पर्धा में संभाग के अंतर्गत आने वाले राजनांदगांव, कबीरधाम, बेमेतरा, मानपुर मोहला, बालोद, खैरागढ़ एवं दुर्ग जिले के स्कूली शतरंज खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। स्कूली बच्चों में छिपी प्रतिभा एवं दिमागी खेल शतरंज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जी एच रायसोनी कल्चर फाउंडेशन एवं कल्पना प्रकाश फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस स्पर्धा में कुल 50 हजार रुपए नगद राशि के अलावा विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

अंडर 19,17, 15 एवं अंडर 13 वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग में प्रथम स्थान तीन हजार रुपए एवं ट्रॉफी, द्वितीय स्थान दो हजार रुपए एवं ट्रॉफी तृतीय स्थान एक हजार रुपए एवं ट्रॉफी चतुर्थ स्थान मोमेंटो तथा अंडर 11,9 एवं अंडर 7 के बालक एवं बालिका वर्ग में प्रथम स्थान ट्रॉफी, द्वितीय स्थान ट्रॉफी तृतीय स्थान ट्रॉफी एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो प्रदान किया जाएगा। बेस्ट स्कूल को दो हजार रुपए नगद पुरस्कार दिया जाएगा। इस स्पर्धा के आधार पर सभी वर्गों के बालक एवं बालिकाओं में शीर्ष 4 स्थान प्राप्त करने वाले कुल 56 खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा में खेलने की पात्रता रखेंगे। स्पर्धा में प्रवेश की अंतिम तिथि 19 अगस्त तक निर्धारित है। स्पर्धा में प्रवेश हेतु फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा से संपर्क कर सकते हैं। स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रंकी देवांगन एवं सहायक निर्णायक फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा होंगे। यह जानकारी जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने दी।

राज्य स्तरीय यूथ एथलेटिक्स प्रतियोगिता 17 से



रायपुर। बिलासपुर जिला एवं छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के द्वारा राज्य स्तरीय यूथ एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 17 एवं 18 अगस्त को बहतराई एथलेटिक्स स्टेडियम बिलासपुर में आयोजित है। यह प्रतियोगिता 18 वर्ष के खिलाड़ियों के लिए आयोजित होगी। जिसमें बालक/ बालिका दोनों शामिल होंगे। हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का जन्म 1 जनवरी 2009 से 31 दिसंबर 2010 के बीच होना अनिवार्य होगा। जिसमें 100, 200, 400, 1000 मीटर दौड़, 110 मीटर हर्डल्स, हाई जम्प, लांग जम्प, शॉट पुट, डिसकस थ्रो, जेवलिन थ्रो,5 किलो मीटर वॉक जैसे इवेंट शामिल है।

बदलती जीवन शैली के चलते बिगड़ रही है सेहत, बदल लें अपनी दिनचर्या

रात में जल्द सोने और सुबह जल्द जगाने की बना लीजिए आदत, सेहत का भरपूर खजाना होगा आपके बस में

आधी रात तक मोबाइल पर लगे रहना और देर से उठने की आदत ने ज्यादातर लोगों की सेहत को खराब कर दिया है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि जल्दी सोने और जल्दी उठने की आदत डालकर आप खुद को हेल्दीक रख सकती हैं।

आजकल की भागती दुनिया में, जहां देर रात तक काम करना या सोशल मीडिया पर लगे रहना काफी आम हो गया है, वहां जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना पुरानी परंपरा जैसा लगता है। लेकिन क्या आपको पता है कि यह सिर्फ एक अच्छी आदत नहीं हैं, बल्कि आपके फिजिकल और मेंटल हेल्थ की चाबी है? जब हम प्रकृति के नियम, यानी सूरज के उगने और ढलने के चक्र के अनुसार चलते हैं, तब हमारा शरीर खुद को अच्छी तरह से ठीक और तैयार कर पाता है। आइए इस आर्टिकल के माध्यम से वेट लॉस एक्सपर्ट और न्यूट्रिशनिस्ट वाणी बता रही हैं कि जल्दी सोने और जल्दी उठने की आदत आपकी जिंदगी को कैसे बदल सकती है?



वेट लॉस में मददगार

जल्दी सोने से शरीर में इंसुलिन और कोर्टिसोल जैसे हार्मोन बैलेंस रहते हैं, जो फैट बर्न करने में मददगार होते हैं। देर रात तक जागने से भूख बढ़ाने वाले हार्मोन एक्टिव होते हैं और मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। जब आप समय पर सोते हैं, तब आपका शरीर एनर्जी का सही इस्तेमाल करता है और फैट कम जमा करता है, जिससे वजन नेचुरली कम होता है।

हार्मोनल बैलेंस में करता है मदद

हार्मोन रात में, खासकर आधी रात से पहले, खुद को रिसेट और रिपेयर करते हैं। सही तरीके नींद से एस्ट्रोजन, प्रोजेस्टेरोन, इंसुलिन और थायराइड जैसे हार्मोन का बैलेंस बिगड़ सकता है। यह मूड स्विंग्स, PCOS और थकाऊ जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। जल्दी सोने से आपके हार्मोन प्रकृति की लय के साथ तालमेल में रहते हैं।

आपके हाथ पर भी है मंगल रेखा तो आपको नहीं होगी धन की कमी



मंगल रेखा का भाग्य रेखा से संयोग बहुत ही शुभ माना जाता है। हनुमान जी को मंगल ग्रह के इष्ट देव का रूप माना जाता है। रामभक्त हनुमानजी ने अपनी भक्ति के बल पर वानर सेना के साथ सेतु बनाकर लंका पर विजय प्राप्त की थी।

हाथ की कुछ रेखाएं शुभ मानी जाती हैं तो कुछ अशुभ। हाथ की रेखाओं के माध्यम से ही व्यक्ति के भविष्य की जानकारी मिलती है। ऐसी ही महत्वपूर्ण रेखाएं हैं मंगल रेखा और भाग्य रेखा। मंगल रेखा जीवन रेखा के समानांतर होती है। वहीं मंगल रेखा का भाग्य रेखा से संयोग बहुत ही शुभ माना जाता है। हनुमान जी को मंगल ग्रह के इष्ट देव का रूप माना जाता है। रामभक्त हनुमानजी ने अपनी भक्ति के बल पर वानर सेना के साथ सेतु बनाकर लंका पर विजय प्राप्त की थी। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार यदि किसी व्यक्ति के हाथ में मंगल का चिन्ह यानि हनुमानजी का चिन्ह है तो शनि की सादे साती उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती है। आइए जानते हैं हाथ में मंगल रेखा किस प्रकार का फल देती है।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार मंगल रेखा का हथेली में होना अच्छा माना जाता है। मंगल रेखा से

कोई रेखा निकलकर भाग्य रेखा में मिले तो ऐसा जातक खूब लाभ पाता है। उसे जीवन में खूब पैसा और जमीन-जायदाद मिलती है।

यदि किसी व्यक्ति के हाथ में जीवन रेखा के साथ एक से अधिक मंगल रेखा हो अर्थात पहली बड़ी, दूसरी छोटी, तीसरी उससे छोटी हो तो उसे हनुमान रेखा या मंगल रेखा कहते हैं।

यदि मंगल रेखा से निकलकर भाग्य रेखा में कोई रेखा मिल जाती है तो ऐसे व्यक्ति को बहुत धन और जमीन जायदाद की प्राप्ति होती है। शनि पर्वत तक कोई रेखा होती है, ऐसा व्यक्ति अत्यंत सौभाग्यशाली होता है।

यदि मंगल रेखा से निकली हुई रेखा भाग्य रेखा को पार कर आगे बढ़े तो ऐसी स्थिति नुकसान करती है। यदि मंगल ग्रह उठा हुआ हो तो जातक के हाथ में हनुमानजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

यदि जीवन रेखा के साथ-साथ मंगल रेखा स्वच्छ हो, राहु रेखा उसे काटती हो और मंगल पर्वत पर शंख का चिह्न हो तो ऐसे व्यक्ति पर हनुमानजी की विशेष कृपा बनी रहती है।

कब्ज से राहत

आपका डाइजैस्टिव सिस्टम आपके सोने -जागने के साइकिल को फॉलो करता है। देर रात तक जागने और देर से उठने से बाउल मूवमेंट अनियमित हो सकता है। लेकिन, जो महिलाएं जल्दी सोती और उठती हैं, उनका पेट सुबह नेचुरली साफ हो जाता है। अच्छीस नींद डाइजेशन पर सही करती है और कब्जो को दूर करती है।

भूख और केविंग पर कंट्रोल

देर रात तक जागने से ग्रेलिन यानी भूख वाला हार्मोन बढ़



जाता है और लेप्टिन यानी पेट भरा होने का एहसास कराने वाला हार्मोन कम हो जाता है। यही कारण है कि आपको रात में ज्यादा भूख लगती है और कार्ब्स खाने का मन करता है। जल्दी सोने से इन हार्मोस का बैलेंस बना रहता है, जिससे क्रेविंग कम होती है और आप इमोशनल ईटिंग से बचते हैं।



घर में पाञ्चजन्य शंख रखने का जानें नियम

पाञ्चजन्य शंख को विजय, शक्ति और धर्म का प्रतीक माना जाता है। यह सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है। अब ऐसे में पाञ्चजन्य शंख को घर में रखा जा सकता है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

पाञ्चजन्य शंख को घर में रख सकते हैं?

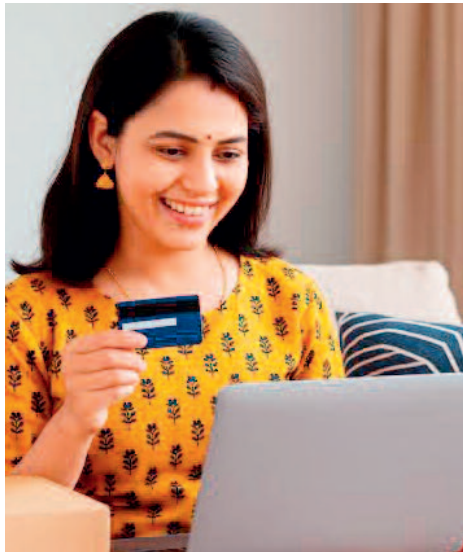
हिंदू धर्म में शंख को बहुत पवित्र और शुभ माना जाता है। पाञ्चजन्य शंख को घर में रख सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार शंख को हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में रखें। इससे व्यक्ति को वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही



उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। इसलिए अगर आप घर में पाञ्चजन्य शंख को रख रहे हैं, तो विधिवत रूप से पूजा-पाठ करने के बाद ही रखें।

पाञ्चजन्य शंख का महत्व क्या है?

पाञ्चजन्य शंख को घर में रखने से वास्तु दोष से छुटकारा मिल जाता है। वहीं इस शंख को बजाने से व्यक्ति के घर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही पारिवारिक कलह-क्लेश से भी मुक्ति मिल जाती है। पाञ्चजन्य शंख को भगवान विष्णु का चिह्न बताया गया है। इसलिए ऐसी मान्यता है कि इसे घर में रखने से व्यक्ति के ऊपर श्रीहरि की कृपा बनी रहती है। इसके साथ-साथ माता लक्ष्मी की कृपा भी बरसती है। साथ ही आर्थिक तंगी से भी छुटकारा मिल जाता है।



ऑनलाइन शॉपिंग करें समझदारी से वरना गंवा सकती हैं गाड़ी कमाई

अगर देखा जाए तो आजकल लोगों का झुकाव ऑनलाइन शॉपिंग की तरफ ज्यादा हो गया है। वहीं, खासतौर पर युवा इसका इस्तेमाल ज्यादा करते हैं। इसमें किसी सामान को लेने घर से बाहर नहीं जाना पड़ता और अपने मोबाइल पर ही उस सामान की फोटो या वीडियो देखकर आप मंगवा सकते हैं। इसमें पेमेंट भी ऑनलाइन हो जाती है, तो कोई दिक्कत भी नहीं होती है और कई बार लोगों को अच्छा डिस्काउंट भी मिल जाता है। पर शायद आप ये नहीं जानते होंगे कि यहां आपको एक छोटी सी गलती आपको जीवन भर की कमाई को गलत हाथों में पहुंचा सकती है, क्योंकि जालसाज लोगों को ठगने का काम जो करते हैं। तो चलिए जानते हैं ऑनलाइन शॉपिंग करते समय कौन सी गलतियों को करने से बचना चाहिए, जिससे आप ठगी का शिकार न हों। तो चलिए जानते हैं इस बारे में।

इन गलतियों को कभी न करें:-

नंबर 1: अगर आप ऑनलाइन शॉपिंग कर रहे हैं, तो ये ध्यान रखें कि यहां कई फर्जी वेबसाइट और एप मौजूद हैं।



इसलिए इनसे बचकर रहें। ये देखने में बिल्कुल असली जैसी होती हैं, इसलिए सावधानी बरतें और फेक वेबसाइट या एप से खरीदारी न करें। वरना आप ठगी के शिकार हो सकते हैं।

नंबर 2: आजकल जालसाज लोगों को कई लुभावने ऑफर्स देने के बहाने कई फेक लिंक उनके मोबाइल नंबर पर मैसेज, ईमेल आदि पर भेज देते हैं। वहीं, लोग भी डिस्काउंट के लालच में इन पर क्लिक कर देते हैं, जिसके बाद जालसाज उनके मोबाइल को हैक करके उन्हें चपत लगा देते हैं। इसलिए कभी भूलकर भी ऐसे फर्जी लिंक और उन पर आने वाले ऑफर्स पर कभी विश्वास न करें और न ही क्लिक करें।

नंबर 3: ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान ज्यादातर लोग ऑनलाइन ही पेमेंट कर देते हैं। साथ ही लोग अपने डेबिट-क्रेडिट कार्ड नंबर या नेट बैंकिंग आईडी-पासवर्ड को शॉपिंग वेबसाइट पर ही सेव कर देते हैं। ऐसा कभी न करें, हमेशा मैनुअली ही अपनी बैंकिंग जानकारी भरे क्योंकि वेबसाइट हैक होने पर आप दिक्कत में पड़ सकते हैं। इसलिए अगर आप चाहें तो कैश ऑन डिलिवरी का ऑप्शन चुन सकते हैं।

नंबर 4: किसी नई वेबसाइट या ऐसी किसी वेबसाइट या एप से खरीदारी करने से बचें, जिसके बारे में आपने कभी सुना न हो या जो आपको ज्यादा ही डिस्काउंट दे रही हो। लालच को दूर रखें और विश्वसनीय वेबसाइट या एप से ही खरीदारी करें, वरना आपके साथ ठगी हो सकती है।



रूंगटा यूनिवर्सिटी में पान मसाला और गुटखे में इस्तेमाल होने वाली सुपारी पर बड़ी रिसर्च

सिर्फ मुंह का कैंसर ही नहीं, सुपारी से लिवर को भी हो सकता है बड़ा नुकसान

शरीर के अंदर पहुंचकर लिवर पर असर

प्रोफेसर पराग ने बताया कि, सुपारी में मौजूद एरकोलीन एक प्रमुख रसायन है। इसे सुपारी का ऐसा रसायन माना जाता है, जो शरीर पर नशे की लत और दूसरे असर डालता है। जब यह शरीर में पहुंचता है तो खून के साथ लिवर तक जाता है। शोध में पाया गया कि लिवर इसे बहुत तेजी से बदलता है। अहम बात यह है कि एरकोलीन को लिवर की कोशिकाओं के लिए नुकसानदायक माना गया है।



यानी शरीर इस रसायन को संभालने की कोशिश करता है, लेकिन जिस रसायन से लिवर को निपटना पड़ता है, वह खुद लिवर की कोशिकाओं के लिए

दिमाग पर भी असर डालता है

एरकोलीन का असर केवल लिवर तक नहीं है। यह दिमाग में मौजूद कुछ खास जगहों पर असर डाल सकता है। इसी वजह से सुपारी खाने के बाद कुछ लोगों को उतेजना, ज्यादा सकर्कता या मानसिक सक्रियता महसूस हो सकती है। यही असर बार-बार सेवन करने पर सुपारी की आदत और निर्भरता बढ़ने से भी जुड़ जाता है। लिवर में एरकोलीन के टूटने के बाद एरकेडीन नाम का दूसरा रसायन बनता है। यह भी पूरी तरह बेअसर नहीं है। शोध में पाया गया कि एरकेडीन मुंह के अंदर की कोशिकाओं में एक ऐसे पदार्थ का बनना बढ़ा सकता है, जिससे वहां के ऊतक सख्त होने लगते हैं। इसका नतीजा ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस जैसी बीमारी के रूप में सामने आ सकता है। इसमें मुंह के अंदर की त्वचा धीरे-धीरे सख्त होती जाती है और आगे चलकर मुंह खोलने में परेशानी हो सकती है। शोध में सुपारी के एक दूसरे रसायन गुवाकोलीन की भी जांच की गई। यह एरकोलीन की तुलना में लिवर में बहुत धीमी गति से बदला। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिली कि सुपारी में मौजूद अलग-अलग रसायनों का शरीर पर असर एक जैसा नहीं होता। बल्कि यह शरीर के विभिन्न हिस्सों को नुकसान पहुंचाती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

महिलाओं को डेट करके चर्चा में आया ये ग्लोबल स्टार

अमेरिकन रैपर, सिंगर और सॉनराइटर ड्रेक इन दिनों चर्चा में हैं। वजह है उनका एक शो जिसमें उन्होंने एक साथ 20 महिलाओं को डेट किया। अब इस शो के कई वीडियो वायरल है। ड्रेक ने हाल ही में किक प्लेटफॉर्म पर एक लाइवस्ट्रीम के दौरान एक अनोखा डेटिंग शो होस्ट किया। इस वायरल शो में उन्होंने लगभग 40 मिनट के भीतर 20 महिलाओं के साथ डेट किया। इस स्पीड डेटिंग के दौरान ड्रेक ने सभी से बातचीत की, उन्हें जाना, कई बड़े खुलासे किए और अंत में एक विजेता का नाम घोषित किया। ड्रेक का ध्यान गॉथ स्ट्रीमर पिकच्यु ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया, जिनके साथ उनकी केमिस्ट्री इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गई। शो के अंत में ड्रेक ने विनर पिकच्यु की मां के लिए एक घर खरीदने और नकद राशि समेत कई महंगे उपहार देने की घोषणा की। इस लाइवस्ट्रीम के दौरान ड्रेक ने धोखे और रिश्तों को लेकर लंबी बातचीत की। उनके जवाब और हाव-भाव सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए। लाइव शो पर भौकना पूरे एपिसोड का सबसे चौंकाने वाला पल था। प्रतियोगी पिकच्यु के कहने पर ड्रेक ने कैमरे पर भौंकने की आवाज निकाली। इसे लेकर उनकी जमकर आलोचना की जा रही है।

39 साल के ऑब्रे ड्रेक ग्राहम को पेशेवर रूप से ड्रेक के नाम से जाना जाता है। ड्रेक एक प्रसिद्ध कनाडाई रैपर, गायक और गीतकार हैं। ड्रेक को हिप-हॉप संगीत में आरएंडबी शैली को लोकप्रिय बनाने और दुनिया के सबसे सफल संगीत कलाकारों में गिना जाता है।

टॉलीवुड

‘टॉक्सिक’ का ट्रेलर आया सामने, यश के लुक को देखकर यूजर्स ने ली चुटकी

एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, लेकिन फैस ट्रेलर को देखकर रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' से तुलना कर रहे हैं। यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रीन-अप्स' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है। खासकर यश के कुछ बोलड सीन और उनका गैंगस्टर लुक लोगों का ध्यान खींच रहा है। ट्रेलर देखने के बाद कई लोग यश के लुक और सीन की तुलना रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' से करने लगे हैं। 'एनिमल' साल 2023 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। सोशल मीडिया पर फैस के अलग-अलग रिएक्शन सामने आ रहे हैं। कुछ लोगों को यश का अंदाज काफी पसंद आया, तो वहीं कई यूजर्स का कहना है कि उनका लुक और स्टाइल रणबीर कपूर से मिलता-जुलता है। एक यूजर ने दोनों फिल्मों के सीन की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'यश ने रणबीर को कॉपी करने में पीएचडी कर ली है।' वहीं दूसरे ने कहा, 'यह सीन देखकर मुझे 'एनिमल' की याद आ गई।' कुछ लोगों ने तो 'टॉक्सिक' को सीधे तौर पर 'एनिमल' की कॉपी तक बता दिया। हालांकि, कई फैस ऐसे भी हैं जो यश का सपोर्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यश दिखाएंगे कि असली 'एनिमल' कैसा होता है।' वहीं कुछ लोगों का मानना है कि सिर्फ बोलड सीन दिखाने से फिल्म 'एनिमल' जैसी नहीं बन सकती। फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे।ट्रेलर रिलीज होने के बाद अब फैस जल्द ही फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

भोजपुरी

स्टाइलिश लुक साझा किए मोनालिसा ने, दिखाई अपनी फिटनेस भी

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने अपनी स्टाइलिश फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। वे डेनिम शॉर्ट्स पहने बिंदास लुक में नजर आ रही हैं। मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री हैं। अपने अभिनय के अलावा वे लुक्स को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। वे अपनी तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। फिर एक बार एक्ट्रेस ने अपने स्टाइलिश लुक साझा किए हैं। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें मोनालिसा डेनिम शॉर्ट्स और रेड टॉप में दिख रही हैं। उन्होंने टीशर्ट से मैचिंग फुटवियर्स पहन रखे हैं। तस्वीरों के साथ मोनालिसा ने रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं। भोजपुरी अदकारा ने ये तस्वीरें नेचर के बीच पार्क में क्लिक कराई हैं। वे अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। 43 वर्षीय मोनालिसा अपनी फिटनेस के लिए मशहूर हैं। वे फिट रहने के लिए नियमित एक्सरसाइज करती हैं। मोनालिसा की तस्वीरों पर नेटिजंस तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स उन्हें गॉर्जियस डील कह रहे हैं। मोनालिसा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस की शादी भोजपुरी एक्टर विक्रम सिंह राजपूत से हुई है। दोनों ने साल 2017 में शादी रचाई थी।

तितली चली

ऑस्ट्रेलिया की खूबसूरत मॉडल शनीना शैक काले रंग के टाइट कोसेंट और बटरफ्लाई विंग्स (तितली जैसे पंख) पहनकर विक्टोरियाज सीक्रेट के रनवे पर उतरीं। शैक ने अब तक पाँच 'विक्टोरियाज सीक्रेट' शो में रैंप वॉक किया है और यह साबित कर दिया है कि उन्हें बार-बार क्यों बुलाया जाता है। लगजरी लॉन्जरी ब्रांड के सालाना फ्रेंशन शो में, 24 साल की इस मॉडल ने तितली जैसे पंख पहनकर न्यूयॉर्क के रनवे पर शानदार अंदाज में एंट्री की और सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।



लाइफ स्टाइल

बारिश में बचिए बाँडी बटर के इस्तेमाल से

अपना स्किन का माइश्चराइज करन कालिए हम सभी कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इनमें बाँडी बटर बेहद ही पॉपुलर है, जो आपको रूखी स्किन को बेहतर तरीके से हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं। बाँडी बटर थोड़े थिक कंसिस्टेंसी के होते हैं और इसलिए इनसे आपको डीप हाइड्रेशन मिलता है। लेकिन क्या आपको पता है कि बाँडी बटर का इस्तेमाल हर मौसम में नहीं किया जाना चाहिए। खासतौर से, बारिश के दौरान बाँडी बटर का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। इस मौसम में अगर नियमित रूप से बाँडी बटर का इस्तेमाल करती हैं तो इससे आपको कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मानसून के दौरान बाँडी बटर का इस्तेमाल करने के कुछ नुकसान के बारे में बता रहे हैं- **स्किन रहती है चिपचिपी** : बारिश के मौसम में नमी बहुत अधिक बढ़ जाती है। वहीं, दूसरी ओर बाँडी बटर की कंसिस्टेंसी थिक होती है। जिसके कारण जब बाँडी बटर को स्किन पर अप्लाई किया जाता है तो यह स्किन में जल्दी से अब्सॉर्ब नहीं हो पाता है। जिससे आपकी स्किन अधिक ऑयली, चिपचिपी या फिर



ग्रीसी महसूस हो सकती है।

क्लॉग पोर्स की समस्या : बाँडी बटर स्किन पर काफी हैवी हो सकता है। यदि आप इसे अधिक मात्रा में लगाती हैं या फिर आप मानसून में अपनी एकने प्रोन स्किन पर अप्लाई करती हैं तो इससे आपके पोर्स क्लॉग हो सकते हैं। साथ ही साथ, इससे स्किन इरिटेशन या ब्रेकआउट की शिकायत भी हो सकती है। **फंगल इंफेक्शन का बढ़ता खतरा** : मानसून के दौरान ह्यूमिडिटी के कारण फंगल इंफेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है।

एथनिक वियर के साथ पोटली बैग करें स्टाइल

अगर आपको भी बैग की अलग-अलग कलेक्शन रखना पसंद है तो इसके लिए आप पोटली डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके की पोटली एथनिक वियर के साथ काफी अच्छी लगेंगी।

पर्ल पोटली बैग डिजाइन

अगर आप किसी पार्टी में जा रही हैं और एथनिक आउटफिट वियर कर रही हैं तो इसके लिए सबसे बेस्ट है पर्ल डिजाइन वाला पोटली बैग। इस तरीके की पोटली बैग के डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में हैं। इसमें आपको अंदर की तरह कपड़े की पोटली मिलेगी और बाहर पर्ल से इसे कवर किया हुआ होगा। इसी के साथ इसकी डोरी में भी पर्ल मिलेंगी। इस तरीके के पोटली बैग आप लहंगे, साड़ी और सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। ये आपके लुक को क्लासी बनाते हैं साथ ही खूबसूरत लगते हैं। मार्केट से आप इन्हें 500 की रेंज में खरीद सकती हैं।

हैंड वर्क पोटली बैग डिजाइन

कई सारी लड़कियां होती हैं जिन्हें हैंड वर्क वाली



चीजें काफी पसंद होती है। ऐसे में आप इस तरीके के पोटली बैग (सिलक पोटली डिजाइन) को ट्राई कर सकती हैं। इसमें आपको हाथों से किया हुआ काम मिलेगा। जिसमें थ्रेड वर्क का इस्तेमाल किया होगा। आप इस तरीके के बैग को एथनिक वियर के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इनकी खास बात ये होती है कि इसमें की गई एम्ब्राइडरी कभी काली नहीं पड़ती है। बस आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि जब भी इसे वांश करें तो मशीन का इस्तेमाल न करें। वरना ये खराब हो जाएगा। इस तरीके के बैग के डिजाइन आपको मार्केट में 250 से 500 की रेंज में मिल जाएंगे।

कार्न न्यूज

मेकअप सिर्फ आपको ब्यूटीफुल लुक ही नहीं देता है, बल्कि इससे कई तरह के अलग-अलग लुक्स भी क्रिएट किए जा सकते हैं। मेकअप ट्रेंड समय के साथ हमेशा ही बदलते रहते हैं। पिछले कुछ समय से लैटे मेकअप काफी चलन में है। यह मेकअप आपको एक नेचुरल, सॉफ्ट और वार्म अपीयरेंस देता है। यह मेकअप कॉफी से इन्फायर्ड है और इसमें ब्राउन के डिफरेंट शेड्स को शामिल किया जाता है। इन दिनों हर कोई लैटे मेकअप करना पसंद कर रहा है, लेकिन फिर भी हर कोई परफेक्ट लुक क्रिएट नहीं कर पाता है। परफेक्ट लुक पाने के लिए कुछ छोटे-छोटे टिप्स फॉलो करना जरूरी होता है। तो चलिए आज इस लेख में आरवीएमयूए एंकेडमी की फाउंडर, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और स्किन केयर एक्सपर्ट रिया वशिष्ठ आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रही हैं, जिन्हें आप लैटे मेकअप करते हुए फॉलो कर सकती हैं-

टिक्न क्लीनिंग है जरूरी

लैटे मेकअप में नेचुरल फिनिश लुक क्रिएट किया जाता है और यह केवल

कुछ समय से काफी चलन में है लैटे मेकअप

लैटे मेकअप में परफेक्ट लुक पाने के लिए इन टिप्स को जरूर करें फॉलो, बन जाएंगी महफिल की रौनक



तभी संभव है, जब आप मेकअप से पहले अपनी स्किन को तैयार करें। लैटे मेकअप की शुरुआत करने से पहले आप एक बार अपनी स्किन को अच्छी तरह क्लीन करें और फिर उसे माइश्चराइज करें। स्किन को हाइड्रेट करने से मेकअप अधिक स्मूथ और फिनिश लुक देता है।

लाइट हो फाउंडेशन

चूँकि लैटे मेकअप में नेचुरल और सन किस्ड लुक क्रिएट करने की कोशिश की जाती है, इसलिए हमेशा ध्यान रखें

कि आप लाइट फाउंडेशन ही करें। आप बेस के लिए बीबी ब्रीम या फिर स्किन टिंट का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो फेस पर माइश्चराइजर लगाकर उसे लुज पाउडर से डैब कर सकती हैं।

लाइनर व कंटूरिंग को करें अवॉयड

लैटे मेकअप करने में आपको बहुत अधिक समय नहीं लगता है। जब आप लैटे मेकअप कर रही हैं तो ऐसे में आप लाइनर को अवॉयड कर सकती हैं। इसके स्थान पर आप ब्राउन शेड पेंसिल को लैशलाइन के ऊपर लगाएं और फिर उसे हल्का सा स्मज कर दें। अगर आप चाहें तो कॉफी या ब्राउन के लाइट्टर शेड से आईशेडो भी अप्लाई कर सकती हैं। इस मेकअप में आपको नेचुरल लुक मिलता है, इसलिए आपको फेस की बहुत अधिक कंटूरिंग (फेस कंटूरिंग मिसटेक्स) करने की भी जरूरत नहीं है। अगर वहीं पर बहुत अधिक जरूरत हो, तभी कंटूरिंग करें।

नेचुरल हो आईब्रो

पिछले कुछ समय से आईब्रो में डिफाइन लुक चलन में था, जिससे आईब्रो पेंसिल की मदद से क्रिएट किया जाता था। लेकिन लैटे मेकअप में नेचुरल लुक ही रखा जाता है,

ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी को साड़ी के साथ इन तरीकों से करें कैरी

साड़ी एक ऐसा एथनिक वियर है, जिसे किसी भी ओकेजन पर आसानी से कैरी किया जा सकता है। आमतौर पर, हम सभी ऑफिस से लेकर पार्टी तक साड़ी को स्टाइल करते हैं। यूं तो साड़ी देखने में बेहद ही ग्रेसफुल लगती है, लेकिन अगर इसके साथ ज्वेलरी को सोच-समझकर स्टाइल किया जाए तो इससे आपका लुक और भी अधिक निखर जाती है। साड़ी के स्टाइल के अनुसार आप पर्ल से लेकर कुंदन, डायमंड व गोल्ड ज्वेलरी आदि कई तरह की एक्सेसरीज कैरी कर सकती हैं। लेकिन ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी की बात ही कुछ और है।

पहनें स्टेटमेंट नेकपीस

अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं और साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी कैरी करना चाहती हैं तो ऐसे में स्टेटमेंट नेकपीस पहननाअच्छा विचार हो सकता है। कोशिश करें कि आप साड़ी के साथ डिजाइनर ब्लाउज और स्टेटमेंट ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी को स्टाइल करें। यह आपके स्टाइल को इंडो-वेस्टर्न लुक देता है। ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी के साथ आप अपनी आइज को बोलड लुक दें।

स्टाइल करें नेकपीस और इयररिंग्स

अगर आप साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी पहनते समय एक बैलेंस लुक चाहती हैं तो ऐसे में ऑक्सीडाइज्ड नेकपीस के साथ मैचिंग इयररिंग्स को भी स्टाइल किया जा सकता है। यह एक ग्रेसफुल लुक है और डे टाइम या इवनिंग टाइम में अगर आप कहीं बारह जा रही हैं तो ऐसे में आप साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड नेकपीसके साथ इयररिंग्स को कैरी करें। जब आप इन दोनों को एक साथ पहन रही हैं तो इनमें से एक लाइट व दूसरा हैवी हो।

पहनें झूमके

झूमके या चांदबाली ऐसी इयररिंग्स हैं, जो साड़ी के साथ बेहद अच्छी लगती हैं। अगर आप भी साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी को मिनिमम तरीके से कैरी करना चाहती हैं तो ऐसे में झूमके को स्टाइल किया जा सकता है। वहीं, अगर आप किसी खास अवसर के लिए तैयार हो रही हैं तो ऐसे में आप साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी को पेयर किया जा सकता है।



बेल स्लीव्स में स्टनिंग दिखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

अगर आप अपने आउटफिट में स्टनिंग दिखना चाहती हैं तो ऐसे में बेल स्लीव्स को स्टाइल कर सकती हैं। बेल स्लीव्स को स्टाइल करते हुए कुछ टिप्स आपके काम आएंगे।

स्टाइलिश दिखने के लिए अक्सर हम सभी डिजाइनर आउटफिट पहनते हैं या फिर अपने कपड़ों पर हजारों खर्च करते हैं। लेकिन वास्तव में अगर आप अपने आउटफिट को थोड़ा स्मार्टली स्टिच करवाते हैं तो इससे आपका पूरा लुक निखर जाता है। मसलन, अगर आप सूट या साड़ी पहन रही हैं तो ऐसे में आप कुर्ती या ब्लाउज में बेल स्लीव्स डिजाइन करवा सकती हैं। सिर्फ आपके स्लीव्स का स्टाइल ही आपको स्टनिंग दिखाने में मदद करेगा। चूँकि, बेल स्लीव्स डिजाइन नार्मल स्लीव्स से काफी अलग होता है, इसलिए जब आप इसे डिजाइन करवाती हैं तो आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का भी ध्यान रखना होता है। इन टिप्स को फॉलो करके आपको ओवर ऑल लुक काफी अच्छा लगता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको बेल स्लीव्स डिजाइन करवाते समय ध्यान में रखना चाहिए-



लेंथ पर दें ध्यान

जब आप बेल स्लीव्स पहन रही हैं तो आपको उसकी लेंथ पर भी ध्यान देना चाहिए। आप अपने बाँडी टाइप को ध्यान में रखते हुए लेंथ को सेलेक्ट करें। मसलन, अगर आपकी हाइट कम है तो अपने लुक को बैलेंस करने के लिए आप शॉर्ट स्लीव्स को चुनें। वहीं, अगर आप स्लिम हैं और आपकी हाइट लंबी है तो आप थ्री फोर्थ लेंथ की बेल स्लीव्स भी डिजाइन करवा सकती हैं।

इसलिए आप उसे हैवी डिफाइन लुक देने से बचें।

शेड्स पर दें ध्यान

लैटे मेकअप करते हुए मेकअप शेड्स पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। हमेशा ध्यान रखें कि आप इस मेकअप के दौरान नेचुरल ब्राउन के अलग-अलग शेड्स को चुन सकती हैं। मसलन, आई मेकअप के दौरान न्यूट्रल आईशेडो शेड्स, जैसे सॉफ्ट ब्राउन और बेज कलर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

